

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



धनौरा में नॉरेक्स फाउंडेशन में स्कूली बच्चों के साथ मनाया 'ग्लोबल पेज: 3

रकुल प्रीत ने जैकी भगनानी को बताया ताकत और पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 192 | शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

पंजाब कानून-व्यवस्था पर कांग्रेस का हमला, पीड़ितों के घर पहुंचेंगे सचिन पायलट

नई दिल्ली: पंजाब में गैंग हिंसा और सार्वजनिक सुरक्षा के बड़े राजनीतिक मुद्दे बन जाने के बीच, कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ अपना हमला सीधे पीड़ितों के परिवारों के घरों तक ले जाने का फैसला किया है। एआईसीसी के महासचिव और पंजाब प्रभारी सचिन पायलट 16 अक्टूबर से राज्य के पांच दिवसीय दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वे गैंग हिंसा की घटनाओं में मारे गए लोगों के परिवारों से मुलाकात करेंगे। कांग्रेस, इन परिवारों के न्याय के इंतजार को भगवंत मान सरकार के खिलाफ अपने राजनीतिक अभियान का मुख्य मुद्दा बनाएगी। यह यात्रा 11 जिलों – मोगा, बठिंडा, मानसा, लुधियाना, जालंधर, कपूरथला, होशियारपुर, पठानकोट, गुरदासपुर, तरनतारन और अमृतसर – से होकर गुजरेगी। पायलट पीड़ित परिवारों के घर जाएंगे, उनके प्रति संवेदना जताएंगे और उनसे अपराधों, पुलिस जांच तथा सरकार की कार्रवाई के बारे में सुनेंगे।

नक्सलवाद का अंत उसके कारण पांच दशक तक झेली गई पीड़ा को मिटा नहीं सकता: गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि छत्तीसगढ़ में बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा बस्तर के पुनर्निर्माण और वामपंथी उग्रवाद के पीड़ितों के पुनर्वास के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद को खत्म करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पांच दशकों में इसके कारण लोगों को जो पीड़ा झेलनी पड़ी है, उसे दूर करना भी सरकार की जिम्मेदारी है। इसका सबसे अधिक असर क्षेत्र के गरीब आदिवासी समुदायों पर पड़ा है। अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद से प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि पांच से सात अक्टूबर तक जगदलपुर में आयोजित दिव्यांग सहायता कार्यक्रम से 3,600 से अधिक लोग लाभान्वित हुए, जिनमें अकेले बस्तर के करीब 1,570 लोग शामिल हैं। इस पहल के तहत नक्सलवाद से प्रभावित लोगों को कृत्रिम अंग, व्हीलचेयर, तिपहिया साइकिल, सुनने में मदद करने वाले उपकरण और छड़ियों सहित अन्य सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अमित शाह ने कहा, नक्सलवाद का अंत होने का मतलब यह नहीं है कि हम इन पांच दशकों की पीड़ा को मिटा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को पीड़ितों की जिंदगी और सम्मान दोबारा बहाल करने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने इन प्रयासों में केंद्र सरकार की ओर से राज्य सरकार को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। नक्सलियों के पुनर्वास और प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि लगभग 8,526 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। करीब 7,500 ऐसे लोगों के बैंक खाते खुलवाए गए जिनके पास खाते नहीं थे जबकि 1,625 लोगों को इनाम की राशि दी गई। उन्होंने कहा कि 7,882 लोगों को प्रोत्साहन राशि दी गई, 455 लोगों को रोजगार मिला और 129 लोगों को जमीन आवंटित की गई। अमित शाह ने कहा कि सुरक्षा शिविरों को सेवा केंद्रों और सामुदायिक केन्द्रों में बदला जाएगा, ताकि सरकारी अधिकारी स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और विकास से जुड़ी अन्य जरूरतों पर ध्यान दे सकें। केंद्रीय मंत्री ने कहा, जिन स्थानों पर कभी हमारे सुरक्षाकर्मी आपकी रक्षा के लिए बैठते थे, अब वहीं भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार के अधिकारी विकसित बस्तर की नींव रखेंगे। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों से बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी जरूरतों, युवाओं के रोजगार से जुड़े मुद्दों तथा आदिवासी समुदायों की आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी।

गृह मंत्री शाह ने बस्तर ओलंपिक, बस्तर पंडुम और नियद नेल्लानार योजना जैसी राज्य सरकार की पहलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इनका उद्देश्य आदिवासी संस्कृति को पुनर्जीवित करना, बुनियादी ढांचे में सुधार करना और हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य जनजीवन बहाल करना है।

जिन स्थानों पर कभी हमारे सुरक्षाकर्मी आपकी रक्षा के लिए

केंद्रीय मंत्री ने कहा, जिन स्थानों पर कभी हमारे सुरक्षाकर्मी आपकी रक्षा के लिए बैठते थे, अब वहीं भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार के अधिकारी विकसित बस्तर की नींव रखेंगे। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों से बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी जरूरतों.....

जम्मू कश्मीर में झमाझम बारिश और हिमपात से पारा लुढ़का, कई सड़कें बंद



श्रीनगर/जम्मू, 15 अक्टूबर जम्मू-कश्मीर के विभिन्न मैदानी इलाकों में बृहस्पतिवार को झमाझम बारिश हुई, जबकि कश्मीर घाटी की ऊंची चोटियां रात भर हुई ताजा बर्फबारी के बाद बर्फ की सफेद चादर से ढक गईं। प्रशासन ने बारिश और बर्फबारी के बाद प्रमुख सड़कों पर जमा बर्फ को हटाने और यातायात बहाल करने के लिए मशीनों के साथ कर्मचारियों को काम पर लगाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मौसम के आंकड़ों के अनुसार, जम्मू संभाग के उधमपुर में सबसे अधिक 59.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा पुंछ में 39.5 मिमी, सांबा और शोपियां में 34-34 मिमी, बारामूला में 29 मिमी, कटरा में 23.1 मिमी, कुलगाम में 18 मिमी, रामबन में 17 मिमी, अनंतनाग में 16 मिमी और जम्मू में 7.6 मिमी बारिश हुई। अधिकारियों के अनुसार, जम्मू में मूसलाधार बारिश के कारण कई क्षेत्रों में अचानक बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। उन्होंने बताया कि श्रीनगर (12 मिमी) सहित पूरी घाटी में रात भर व्यापक बारिश हुई, जो बृहस्पतिवार सुबह तक जारी रही। इस दौरान क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए रहे। मौसम विभाग के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में तेज हवाएं चलने और बारिश जारी रहने का अनुमान है। साथ ही कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि और ऊंची पहाड़ियों पर हल्की बर्फबारी की चेतावनी जारी की गई है। अधिकारियों ने बताया कि ऊंचाई वाले कुछ इलाकों में लगातार तीसरी रात रुक-रुककर बर्फबारी हुई। पर्यटन स्थल सोनमर्ग और गुलमर्ग के ऊपरी इलाकों में पहाड़ और घास के मैदान बर्फ की सफेद चादर से ढके रहे। बर्फबारी के कारण मुगल रोड सहित कई महत्वपूर्ण सड़कें अवरुद्ध हो गईं। मुगल रोड घाटी को जम्मू क्षेत्र से जोड़ने वाला एक वैकल्पिक मार्ग है। सड़कों से बर्फ हटाने का काम जारी है और रास्ता साफ होते ही वाहनों की आवाजाही की अनुमति दी जाएगी। पिछले तीन दिनों से जारी इस बारिश और बर्फबारी के कारण घाटी के तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। अधिकारियों ने बताया कि दिन का तापमान सामान्य से तीन से नौ डिग्री सेल्सियस नीचे आ गया है, जबकि न्यूनतम तापमान में सामान्य से एक से तीन डिग्री सेल्सियस की कमी आई है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला: इसलाम अपनाने वाले पिछड़े हिंदू नहीं ले सकते पूर्व स्थिति पर आरक्षण



नई दिल्ली: उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछड़े वर्गों से संबंधित हिंदू, इस्लाम अपनाने के बाद उस वर्ग के तहत आरक्षण का लाभ नहीं ले सकता। अदालत ने कहा कि पिछली सामाजिक व्यवस्था में झेले गए पिछड़ेपन को आगे नहीं ले जाया जा सकता। न्यायालय ने यह भी कहा कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को मानने वाले व्यक्ति को अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर की पीठ ने मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ तमिलनाडु सरकार की याचिका खारिज कर दी। उच्च न्यायालय ने कहा था कि इस्लाम अपनाने वाला व्यक्ति केवल धर्मांतरण के आधार पर पिछड़ा वर्ग (मुस्लिम श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा नहीं कर सकता। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें धर्मांतरित मुसलमानों को आरक्षण देने संबंधी तमिलनाडु सरकार की अधिसूचना रद्द कर दी गई थी। न्यायालय ने कहा कि इस आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं है। पीठ ने कहा, ह्यह्यसंविधान के अनुच्छेद 16(4) के तहत मिलने वाले किसी भी वैधानिक लाभ, संरक्षण, आरक्षण या अन्य अधिकार का दावा केवल पहले की सदस्यता के आधार पर नहीं किया जा सकता और न ही ऐसा लाभ दिया जा सकता है, यदि उसका आधार किसी विशेष हिंदू सामाजिक व्यवस्था से जुड़ा होना है और संबंधित व्यक्ति इस्लाम, ईसाई धर्म या किसी अन्य गैर-हिंदू सामाजिक व्यवस्था को अपना चुका है। न्यायालय ने कहा कि वह इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि हिंदू सामाजिक व्यवस्था से गैर-हिंदू सामाजिक व्यवस्था में धर्मांतरण करने वाला व्यक्ति केवल धर्मांतरण से पहले की अपनी सामाजिक स्थिति से जुड़े पिछड़ेपन के आधार पर संविधान के अनुच्छेद 16 4 के तहत सकारात्मक कार्रवाई का लाभ नहीं मांग सकता। पीठ ने कहा, पहले की सामाजिक व्यवस्था में झेला गया पिछड़ापन अपने आप में उस व्यक्ति को उस धर्म में पिछड़े वर्ग का दर्जा देने का आधार नहीं बन सकता, जो उसने अपना लिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को मानने वाले व्यक्ति को अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता।

ज्ञानेश कुमार के समर्थन में उतरे 30000 लोग, बयान से तहलका



नई दिल्ली: सरकार और चीफ इलेक्शन कमिश्नर के समर्थन में 3000 से ज्यादा जेन-जी युवा सड़कों पर उतर आए हैं। इसे देखकर कॉकरोचों के होश उड़ गए हैं। कुछ लोग सोशल मीडिया पर लिख रहे हैं कि एक कॉकरोच के मुकाबले 10,000 देशभक्त सड़कों पर आ गए हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर कॉकरोच जनता पार्टी से परेशान लोगों ने अभिजीत दीपके के परखच्चे उड़ा दिए। दिल्ली एयरपोर्ट पर अभिजीत दीपके को देखते ही लोगों ने गुस्से में चिल्लाकर कहा कि देश को क्यों खराब कर रहा है? आपको बता दें कि दिल्ली के लोगों के अलावा व्यापारी भी इन कॉकरोचों और विपक्षी दलों से बेहद परेशान हैं। दिवाली आने वाली है। नवरात्रि का त्यौहार शुरू हो चुका है। लेकिन विपक्षी दलों और कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनों की वजह से व्यापारियों का काम पूरी तरह से ठप रहा। नवरात्रि के पहले तीन शुभ दिन निकल गए। लेकिन इस शुभ मौके पर कॉकरोचों की वजह से दिल्ली के व्यापारियों को अपनी दुकानें बंद रखनी पड़ी। दिल्ली को हजारों करोड़ों का नुकसान हो रहा है। मगर राहुल गांधी अड़ गए हैं कि ज्ञानेश कुमार, पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह सबका इस्तीफा लेकर रहूंगा। हालांकि राहुल गांधी ने अभी तक जेएनयू के प्रोफेसर और कांग्रेस सांसद बिमोल अकोइजम से इस्तीफा नहीं मांगा है। आपको बता दें कि बिमोल अकोइजम पर यौन उत्पीड़न के आरोप लग चुके हैं। उन्हें जेएनयू से बर्खास्त कर दिया गया है। बहरहाल कॉकरोचों को छोड़िए। असम के लोग सरकार, ज्ञानेश कुमार और एसआईआर के समर्थन में सड़कों पर उतर आए हैं।

3000 से ज्यादा जेन-जी युवा सड़कों पर हैं। इन लोगों का कहना है कि एसआईआर का मकसद इस देश से अवैध घुसपैठियों को लात मारकर भगाने का है और हम इसका समर्थन करते हैं। असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राहुल गांधी फ्रस्ट्रेटेड आदमी हो गए हैं। सत्ता की भूख के लिए उन्होंने देश को अराजकता की तरफ धकेल दिया है।

छत्राल जीआईडीसी में बॉयलर फटने से 4 लोगों की मौत

गुजरात: गांधीनगर के पुलिस अधीक्षक रवि तेजा वसमसेट्टी ने बताया कि छत्राल जीआईडीसी स्थित कोविका कलर कंपनी में गुरुवार को बॉयलर फटने से चार लोगों की मौत हो गई, जिसके बाद वहां आग लग गई। राज्य में 11 अक्टूबर की एक अन्य घटना में, गोधरा के मेडिकल कॉलेज से जुड़े सरकारी सिविल अस्पताल के दवा स्टोर रूम में आधी रात को भीषण आग लग गई। इसके चलते गर्भवती महिलाओं सहित 200 से अधिक मरीजों को वहां से सुरक्षित बाहर निकालना पड़ा। अस्पताल परिसर में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद दमकल विभाग के कर्मचारी और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। हालांकि, प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के कारण सभी मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। गांधीनगर में फैक्ट्री का बॉयलर फटा, चार की मौत गांधीनगर के छत्राल जीआईडीसी (गुजरात औद्योगिक विकास निगम) क्षेत्र में स्थित 'कोविका कलर' नामक कंपनी में गुरुवार को एक दर्दनाक औद्योगिक हादसा पेश आया। काम के दौरान कंपनी परिसर में लगा एक बॉयलर अचानक जोरदार धमाके के साथ फट गया। धमाका इतना भीषण था कि आसपास का पूरा इलाका दहल उठा और तुरंत ही फैक्ट्री परिसर में विकराल आग फैल गई। गांधीनगर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) रवि तेजा वसमसेट्टी ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि इस दर्दनाक घटना में चार लोगों की मौके पर ही झुलसने और मलबे की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां और स्थानीय पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंचीं। बचाव कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट को बताया, 10 अक्टूबर को कानून-व्यवस्था टूटने से बचाई



नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान, पुलिस द्वारा समय रहते, उचित और कानूनी कदम उठाए जाने से कानून-व्यवस्था की एक बड़ी समस्या टल गई। दिल्ली पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार, जिन्होंने अदालत की अवमानना के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी है, ने कहा कि 10 अक्टूबर को - जब 'कॉकरोच जनता पार्टी' ने विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था - तब उठाए गए एहतियाती कदम खुफिया इनपुट और जमीनी हालात के आकलन पर आधारित थे, जो लगातार बदल रहे थे। सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल हलफनामे में, दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने पुलिस प्रशासन द्वारा उठाए गए कदमों का जिक्र किया, जिसमें दिल्ली में मेट्रो रेल सेवाओं को विनियमित करना भी शामिल है। उन्होंने कहा ये कदम राष्ट्रीय राजधानी में शांति और व्यवस्था बनाए रखने और सार्वजनिक व्यवस्था में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए उठाए गए थे। दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने कहा कि पुलिस द्वारा किए गए प्रयासों और उठाए गए कदमों को इस संदर्भ में देखा जाना चाहिए कि दिल्ली देश की राजधानी है, और हर राष्ट्रीय राजधानी की अपनी कुछ संवेदनशील बातें होती हैं। हलफनामे में उन्होंने कहा कोई भी पुलिस प्रशासन राष्ट्रीय राजधानी में सार्वजनिक व्यवस्था के उल्लंघन की अनुमति नहीं दे सकता। खासकर तब, जब ऐसा आह्वान किसी ऐसे संगठन की ओर से किया गया हो, जिसका हालिया इतिहास भीड़ द्वारा हिंसा, सार्वजनिक और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, और ऐसी घटनाओं का रहा हो जिनमें कई लोग घायल हुए हों–साथ ही 6, 7 और 8 अक्टूबर की घटनाएं भी इसमें शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा पुलिस प्रशासन के नेक इरादों से किए गए प्रयासों के बावजूद, उनके द्वारा उठाए गए कदमों को लेकर एक गलत नैरेटिव (धारणा) फैलाने की कोशिश की जा रही है। गौरतलब है कि यह हलफनामा एक अवमानना मामले में दाखिल किया गया है। यह मामला 10 अक्टूबर के विरोध-प्रदर्शन के

राहुल याद रखें, आजादी के लिए नेहरू ही नहीं, मसुरियादीन पासी भी गए थे जेल : सीएम योगी

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह एक बात याद रखें कि देश की आजादी के लिए केवल और केवल नेहरू जेल नहीं गए थे बल्कि महाशय मसुरियादीन पासी जी भी जेल गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मसुरियादीन ने एक-दो महीने या चार-छह महीने नहीं, बल्कि 1932 से 1944 के बीच नौ वर्ष जेल में रहकर आजादी की लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि इतिहास के कालचक्र में उन जैसे महान स्वतंत्रता सेनानी को विस्मृत कर दिया गया लेकिन विरासत और विकास में विश्वास करने वाली भाजपा की डबल इंजन सरकार अपने महापुरुषों को भुला नहीं सकती। मुख्यमंत्री तेलियरगंज स्थित महाशय मसुरियादीन स्मारक इंटर कॉलेज और टीवी कॉलोनी चौराहे के पास में स्वतंत्रता सेनानी पासी की प्रतिमा के अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दो अक्टूबर 1911 को जन्मे मसुरियादीन की



जयंती महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के दिन ही पड़ती है, इसके बावजूद उनके योगदान को इतिहास में भुला दिया गया लेकिन आज उनकी भव्य प्रतिमा स्थापित कर उत्तर प्रदेश सरकार ने उनकी स्मृतियों को जीवंत बनाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता

उन्होंने कहा कि देश की आजादी में ऐसे अनेक महापुरुषों ने योगदान दिया, जिनकी स्मृतियों को सम्मान मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी

और समाज के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले महाशय मसुदियादीन ने लगभग 66-67 साल की उम्र नौ वर्ष जेल में बिताए। योगी ने कहा कि जनता के बीच उनके प्रति सम्मान का परिणाम था कि 1946 में वह उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य बने तथा स्वतंत्र भारत में 1952 से 1972 तक चार बार लोकसभा के लिए चुने गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1952 में एक ही सीट से दो सांसद चुने जाते थे, उस समय पंडित जवाहरलाल नेहरू और महाशय मसुरियादीन पासी एक साथ चुनाव जीतकर संसद पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि देश की आजादी में ऐसे अनेक महापुरुषों ने योगदान दिया, जिनकी स्मृतियों को सम्मान मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम में अंग्रेजों को चुनौती देने वाली कई जातियों को अपमानित करने के लिए अंग्रेजी हुकूमत ने 1871 में जरायम पेशा कानून बनाया था तथा पासी समाज सहित कई जातियों को इसकी श्रेणी में रखा गया लेकिन 1952 में संसद पहुंचने के बाद महाशय मसुरियादीन ने इस कानून के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर और महाशय मसुरियादीन पासी ने इस काले कानून को समाप्त कराने की लड़ाई लड़ी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे महापुरुषों का योगदान आने वाली पीढ़ियों को बताया जाना चाहिए।

संपादकीय

भरोसे की परीक्षा

निस्संदेह, कैरियर से जुड़ी परीक्षाएं लाखों युवाओं के भविष्य का निर्धारण करती हैं। ऐसे में परीक्षाओं की पारदर्शिता, निष्पक्षता और ईमानदारी पर परीक्षार्थियों का भरोसा कायम होना बेहद जरूरी है। हाल के दिनों में देशभर में जो युवा असंतोष के स्वर मुखर हो रहे हैं, उसकी शुरूआत नीट परीक्षा प्रणाली की विफलता से हुई थी। देश की राजधानी दिल्ली के अलावा झारखंड, बिहार व महाराष्ट्र आदि राज्यों में परीक्षा की विसंगतियों के चलते परीक्षार्थी आंदोलन करते नजर आए हैं। जब युवाओं में अपने भविष्य को लेकर आशंकाएं पैदा हुई तो उनके सड़क पर उतरने का सिलसिला तेज हुआ। प्रतियोगिता परीक्षाओं के प्रति उपजे अविश्वास को दूर करने के लिये केंद्र सरकार ने इन्फोसिस के को-फाउंडर नंदन नीलेकणि को परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिये बनायी गई एक उच्च स्तरीय कमेटी का प्रमुख बनाया था। हाल ही में नीलेकणि ने परीक्षा सुधार के लिये तकनीक पर आधारित एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया है। जिसको लेकर कहा जा रहा है कि ये पहल उपयोगी साबित हो सकती है। निस्संदेह, आज देश को एक ऐसी परीक्षा प्रणाली की जरूरत है, जिसमें हर छात्र निष्पक्ष प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल हो सके। साथ ही परीक्षा के परिणामों पर भरोसा कर सके। दरअसल, नीलेकणि ने पेपर लीक रोकने के लिये आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नया तरीका सुझाया है। उनका एआई का प्रयोग करके अंतिम दौर में प्रश्नपत्र तैयार करने का सुझाव, ऐसे सिस्टम में सुधार का अवसर देता है, जिसे परीक्षार्थियों के भरोसे की सख्त जरूरत है। उनका तर्क है कि आखिरी समय में एक बड़े प्रश्न बैंक से पेपर तैयार करने पर लीक के पीछे का अनैतिक मुनाफे का कारोबार खत्म हो सकता है। निस्संदेह, उनके इस सुझाव और देशभर में कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली को अपनाए जाने की बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत महसूस की जा रही है। निर्विवाद रूप से तकनीकी इनोवेशन के जरिये प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शी बनाने में मदद मिल सकती है। लेकिन इसके साथ ही संस्थागत जवाबदेही भी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण व विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले इलाकों में सभी प्रतियोगी छात्रों की पहुंच होनी भी जरूरी है। निस्संदेह, एआई की मदद से पेपर तैयार करने का सुझाव तार्किक है। यदि परीक्षा से ठीक पहले सुरक्षित तरीके से सवाल चुने जाएंगे तो परीक्षा से पूर्व पेपर आउट होने की आशंका कम हो जाएगी। लेकिन इसके बावजूद ऐसा ऑफलाइन सिस्टम बनाना भी जरूरी है, जो परीक्षा की जांच से जुड़ी गलतियों, पक्षपात और हेराफेरी रोकने के लिये स्वतंत्र मूल्यांकन कर सके।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया।

संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं।

भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

सोशल मीडिया पर रील के चक्कर में जान की बाजी



मनोज कुमार अग्रवाल

सोशल मीडिया पर रील बनाने के चक्कर में जान की बाजी लगाना आजकल एक बेहद गंभीर और खतरनाक ट्रेंड बन चुका है। लोग इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स पर चंद लाइक्स, व्यूज और वायरल होने की चाह में अपनी जिंदगी को दांव पर लगा रहे हैं।आज सोशल मीडिया का जमाना है और बड़ी संख्या में युवाओं पर चर्चा में आने के लिए रील बना कर सोशल मीडिया पर डालने का जुनून सवार है। सोशल मीडिया पर रातों-रात प्रसिद्ध होने और लाइक्स कटने की वजह से परेशान होकर आत्महत्या कर ली।

वीडियो बनाने के लिए चलती हुई ट्रेन के गेट पर खतरनाक डांस करना, डिब्बे के बाहर लटकना या रेलवे ट्रैक पर खड़े होकर ट्रेन के सामने पोज देना सबसे आम और घातक हादसों की वजह बन रहा है। चलती हुई गाड़ियों या बाइकों पर स्टंट करना, बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के रील बनाना। हाल ही में उत्तर प्रदेश के सीतापुर में एक युवती को सड़क पर खतरनाक स्टंट करने के लिए ?16,000 का भारी चालान भी भुगतना पड़ा।

ऊंचे पुलों और झरनों के पास पोज खतरनाक पहाड़ों, नदियों के ऊपर बने पुलों या बाढ़ के पानी के बीच रील बनाने के चक्कर में कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

प्रशासन की कार्रवाई और चेतावनी

इस बढ़ते खतरे को देखते हुए पुलिस और भारतीय रेलवे लगातार लोगों को आगाह कर रहे हैं। ऐसे जानलेवा स्टंट करने वालों पर भारी जुमार्ना लगाया जा रहा है और जेल की सजा का भी प्रावधान है।

आपको बता दें कि हाल ही में ऐसे कई मामलों की झड़ी लगी है जिनमे रील बनाने के चक्कर में अनेक युवा जान गंवा बैठे। 16 सितम्बर को पालघर (महाराष्ट्र) में वैतरणा नदी के किनारे मोबाइल से रील शूट करने के दौरान गीतेश पाटिल और मानव राठौड़ नामक 2 दोस्तों की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई।

4 अक्तूबर को फरीदाबाद (हरियाणा) में सिरोही झील के निकट रील बनाने के दौरान मोबाइल फोन के डैमेज होने को लेकर 2 दोस्तों में विवाद इस हद तक बढ़ गया कि आपसी हाथापाई में उनमें से एक युवक की जान चली गई, जिसके बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी मुफीद उर्फ मन्नू को गिरफ्तार कर लिया।

8 अक्तूबर को पश्चिम चंपारण (बिहार) के मझौलिया गांव में अपने बड़े भाई हीरामन के रील बनाने के शौक से नाराज उसके छोटे भाई विश्वनाथ ने उसे बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया और इसी झगड़े के दौरान जान बचाने के लिए भागे हीरामन की जमीन पर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो जाने के कारण मौत हो गई।9 अक्तूबर को बौध जिला (ओडिशा) के खोरधा-बोलांगीर रेलवे ट्रैक पर लेट कर मीडिया के लिए रील बना रहा एक लड़का अचानक आई तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई

9 अक्तूबर को ही जहरीले सांपों को रैस्क्यू करने और उनके साथ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालने के लिए प्रसिद्ध तपन कुमार प्रधान (28) को पुरी (ओडिशा) के कंथापुर गांव में एक कोबरा ने आक्रामक होकर उंगलियों, कोहनी और बाजू के ऊपरी हिस्से पर कई बार डस लिया जिससे उसकी मौत हो गई। वह अपने घर के बरामदे में बैठ कर एक खतरनाक कोबरा के साथ इंस्टाग्राम के लिए रील बना रहा था।

10 अक्तूबर को आगरा (उत्तर प्रदेश) के बसई अरेला क्षेत्र में एक छात्र निमार्णाधीन मकान में रखी शिकारी एयर गन को पकड़ कर उसके साथ रील बनाने लगा। इसी दौरान अचानक बंदूक से फायर हो गया और छर्रे लगने से युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

11 अक्तूबर को पारादीप (ओडिशा) के समुद्र तट पर रील बनाने के दौरान बेगूसराय (बिहार) से घूमने आए तीन युवक तेज लहरों की चपेट में आ जाने के परिणामस्वरूप बह गए।

उपरोक्त घटनाओं से स्पष्ट है कि पिछले कुछ समय के दौरान रील बनाने के रुझान और इससे होने वाली दुर्घटनाओं में वृद्धि हुई है। इस संबंध में हम युवाओं को यही सलाह देंगे कि वे अपनी जान जोखिम में डाल कर इस प्रकार के करतब न करें क्योंकि उनकी इस तरह की भूलें उनके परिवारों को जिंदगी भर की पीड़ा दे सकती है। युवाओं को लगता है कि एक रील वायरल होते ही वे रातों-रात स्टार बन जाएंगे।

पीछे छूट जाने का डर दूसरों को रील बनाकर लोकप्रिय होते देख, युवा भी बिना सोचे-समझे उसी अंधी दौड़ में शामिल हो जाते हैं।स्क्रीन पर दिखने वाले लाइक और हार्ट युवाओं के दिमाग में एक अस्थायी खुशी पैदा करते हैं, जिसकी उन्हें लत लग जाती है।

इस जानलेवा सनक को कैसे रोका जाए?माता-पिता को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि उनका बच्चा सोशल मीडिया पर क्या पोस्ट कर रहा है और किस तरह के वीडियो बना रहा है।

पुलिस और प्रशासन को खतरनाक जगहों पर रील बनाने वालों के खिलाफ सख्त जुमार्ना और जेल की सजा का प्रावधान मजबूत करना होगा।

स्कूलों और कॉलेजों में युवाओं को यह समझाने की जरूरत है कि जान है तो जहान है, कोई भी रील आपकी जिंदगी से ज्यादा कीमती नहीं हो सकती।

विदेशी फंडिंग का आरोप : सनसनी से नहीं, सबूतों से तय होनी चाहिए सच्चाई



सौरभ वार्ष्णेय

बिना प्रमाण गंभीर आरोप लगाना लोकतंत्र, राजनीतिक विमर्श और सार्वजनिक विश्वसनीयता के लिए कितना उचित? यह सवाल अपने आप में ही प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी देश के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप की आशंका को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। दुनिया के अनेक देशों में राजनीतिक गतिविधियों, चुनावी प्रक्रियाओं और जन आंदोलनों पर बाहरी प्रभाव को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। लेकिन किसी आशंका को प्रमाणित तथ्य के रूप में प्रस्तुत करना और किसी राजनीतिक दल पर विदेशी धन लेकर देश में अशांति फैलाने का आरोप लगाना दो अलग-अलग बातें हैं। यही अंतर जिम्मेदार पत्रकारिता, निष्पक्ष राजनीतिक विमर्श और लोकतांत्रिक मूल्यों की बुनियाद है।

हाल ही में अमेरिकी गायिका और अभिनेत्री मैरी मिलबेन के नाम से सोशल मीडिया के जरिये सामने आए एक बयान में भारत में सक्रिय एक राजनीतिक दल को अमेरिका से भारी वित्तीय सहायता मिलने का आरोप लगाया गया है। इस दावे में यह भी कहा गया है कि विदेशी धन का इस्तेमाल भारत की आंतरिक शांति को प्रभावित करने, सामाजिक विद्वेष बढ़ाने और केंद्र सरकार के कामकाज में बाधाएं उत्पन्न करने के लिए किया जा रहा है। आरोपों के समर्थन में कुछ व्यक्तियों और कथित वित्तीय समूहों का भी उल्लेख किया गया है।

ऐसे गंभीर आरोप सामने आने के बाद सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि इन दावों के समर्थन में ठोस सबूत क्या हैं? क्या किसी बैंक खाते का विवरण सामने आया है? क्या किसी वित्तीय लेन-देन का दस्तावेज उपलब्ध है? क्या संबंधित एजेंसी ने कोई जांच की है? क्या किसी विश्वसनीय जांच रिपोर्ट या आधिकारिक दस्तावेज में इन आरोपों की पुष्टि हुई है? यदि इन सवालों के जवाब उपलब्ध नहीं हैं, तो ऐसे बयानों को प्रमाणित समाचार की तरह प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा।

किसी राजनीतिक दल को विदेशी धन मिलने का आरोप सामान्य राजनीतिक टिप्पणी नहीं है। यह एक गंभीर आरोप है, जिसका संबंध देश की संप्रभुता, राजनीतिक पारदर्शिता और कानून के पालन से जुड़ा है। यदि किसी दल या संगठन को अवैध विदेशी वित्तपोषण प्राप्त हुआ है, तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। दोष सिद्ध होने पर कानून के अनुसार कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन जांच से पहले ही किसी संगठन को देशविरोधी गतिविधियों में शामिल घोषित कर देना न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है। राजनीति में आरोप लगाना आसान है, लेकिन उन्हें प्रमाणित करना कठिन। इसलिए यह आवश्यक है कि आरोप लगाने वाला व्यक्ति अपने दावों के समर्थन में विश्वसनीय दस्तावेज, वित्तीय रिकॉर्ड या अन्य सत्यापन योग्य साक्ष्य प्रस्तुत करे। केवल सोशल मीडिया पोस्ट, राजनीतिक बयान अथवा किसी विदेशी नागरिक की टिप्पणी अपने आप में किसी गंभीर आरोप का प्रमाण नहीं बन जाती। यहां यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि उपलब्ध विवरण के आधार पर मैरी मिलबेन के नाम से प्रसारित आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं मानी जा सकती। जब तक विश्वसनीय साक्ष्य सामने नहीं आते, तब तक इन्हें आरोप या दावा ही कहा जाना चाहिए, स्थापित तथ्य नहीं।

लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के बीच मतभेद स्वाभाविक हैं। सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों को अपनी विचारधारा रखने, सरकार की नीतियों की आलोचना करने और जनता के सामने अपना पक्ष रखने का अधिकार है। यही लोकतंत्र की शक्ति है। लेकिन जब राजनीतिक विरोध को विदेशी साजिश, देशविरोधी गतिविधि या राष्ट्रीय सुरक्षा के संकट से जोड़ दिया जाता है, तब यह देखना जरूरी हो जाता है कि ऐसा निष्कर्ष किन तथ्यों के आधार पर निकाला गया है। यदि किसी राजनीतिक दल को बदनाम करने के उद्देश्य से अपुष्ट आरोपों को बार-बार प्रसारित किया जाता है, तो इससे जनता के बीच भ्रम पैदा हो सकता है। दूसरी ओर, यदि वास्तव में विदेशी वित्तपोषण के जरिए गैरकानूनी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, तो उनकी अनदेखी भी नहीं की जा सकती। इसलिए न तो हर आरोप को राजनीतिक षड्यंत्र कहकर खारिज करना उचित है और न ही हर आरोप को सच मान लेना।

भारत एक संप्रभु लोकतांत्रिक देश है। यहां राजनीतिक गतिविधियों, संगठनों और विदेशी अंशदान से संबंधित मामलों में कानून लागू होते हैं। विदेशी योगदान विनियमन अधिनियम सहित संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत पात्र संस्थाओं के विदेशी अंशदान पर नियमन और निगरानी की व्यवस्था है। किसी विशिष्ट मामले में कौन-सा कानून लागू होगा, यह संबंधित संस्था, धन के स्रोत, प्राप्तकर्ता और लेन-देन की प्रकृति पर निर्भर करता है। यदि किसी विदेशी संस्था या व्यक्ति द्वारा भारतीय कानूनों का उल्लंघन करके धन उपलब्ध कराने के प्रमाण मिलते हैं, तो सक्षम एजेंसियों को जांच करनी चाहिए। लेकिन विदेशी नागरिकों की राजनीतिक टिप्पणियों को अपने आप विदेशी फंडिंग का सबूत नहीं माना जा सकता। इसी प्रकार, किसी राजनीतिक दल की सरकार विरोधी गतिविधि मात्र से यह निष्कर्ष भी नहीं निकाला जा सकता कि उसके पीछे विदेशी धन है।

भारत की संप्रभुता की रक्षा करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है कि इस विषय का इस्तेमाल राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के विरुद्ध बिना प्रमाण आरोप लगाने के लिए न किया जाए। मैरी मिलबेन पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की कुछ नीतियों के समर्थन में अपनी राय व्यक्त कर चुकी हैं। किसान आंदोलन के दौरान कृषि सुधारों पर उनका रुख और बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री 'इंडिया द मोदी क्वेश्चनइ को लेकर उनकी टिप्पणियां सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा रही हैं। लेकिन किसी व्यक्ति का पहले किसी सरकार का समर्थन करना या किसी नीति के पक्ष में बोलना, उसके नए आरोपों की सत्यता का प्रमाण नहीं बन जाता।

राजनीतिक समर्थन और तथ्यात्मक प्रमाण दो अलग-अलग विषय हैं। किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा, अंतरराष्ट्रीय पहचान या किसी नेता के प्रति उसकी प्रशंसा के आधार पर उसके प्रत्येक दावे को सही नहीं माना जा सकता। उसी तरह, किसी व्यक्ति के राजनीतिक विचारों से असहमति होने के कारण उसके प्रत्येक कथन को गलत भी नहीं ठहराया जा सकता। हर दावे की जांच उसके प्रमाणों के आधार पर होनी चाहिए।आज सोशल मीडिया के दौर में सनसनीखेज दावे तेजी से फैलते हैं। कई बार किसी बयान को आकर्षक शीर्षक देकर इस तरह प्रसारित किया जाता है कि पाठक आरोप और सच्चाई के बीच का अंतर भूल जाते हैं। इससे लोकतांत्रिक संवाद प्रभावित होता है और समाज में अनावश्यक अविश्वास पैदा हो सकता है।

समाचार माध्यमों की जिम्मेदारी है कि वे किसी भी गंभीर आरोप को प्रकाशित करने से पहले उसके स्रोत, संदर्भ और प्रमाणों की पड़ताल करें। संबंधित राजनीतिक दल या व्यक्ति का पक्ष लें, आधिकारिक रिकॉर्ड की जांच करें और जहां पुष्टि उपलब्ध न हो, वहां स्पष्ट रूप से लिखें कि दावा स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं हुआ है। पाठकों को भी चाहिए कि वे किसी सनसनीखेज पोस्ट को तुरंत सच मानने या आगे प्रसारित करने से पहले उसकी विश्वसनीयता जांचें। राष्ट्रहित का अर्थ केवल किसी सरकार या राजनीतिक दल का समर्थन करना नहीं है इसका अर्थ सत्य, कानून, पारदर्शिता और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति प्रतिबद्धता भी है।

यदि भारत में किसी राजनीतिक दल या संगठन को अवैध विदेशी वित्तीय सहायता मिलने का ठोस प्रमाण है, तो उसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए और कानून के अनुसार जांच होनी चाहिए। लेकिन यदि आरोप केवल बयानबाजी और अपुष्ट दावों पर आधारित हैं, तो उन्हें तथ्य के रूप में प्रचारित करना जनता को भ्रमित करने जैसा होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थकों को अपने नेता के पक्ष में विचार रखने का पूरा अधिकार है। विपक्षी दलों को सरकार की आलोचना करने का भी समान लोकतांत्रिक अधिकार है। दोनों के लिए एक ही कसौटी होनी चाहिए तथ्य और प्रमाण।

भारत की प्रतिष्ठा किसी सनसनीखेज बयान से न तो बनती है और न ही बिगडी चाहिए। देश की प्रतिष्ठा मजबूत होती है निष्पक्ष जांच, पारदर्शी व्यवस्था, स्वतंत्र पत्रकारिता और न्यायपूर्ण कार्रवाई से। इसलिए विदेशी फंडिंग के इस कथित मामले में भी भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के बजाय प्रमाण सामने लाने की मांग की जानी चाहिए। लोकतंत्र में आरोप लगाना अधिकार हो सकता है, लेकिन आरोप को सच मानने से पहले प्रमाण मांगना जनता का अधिकार और पत्रकारिता का दायित्व है।

जब प्यासे हों खेत और खाली हों थालियां तो कैसे संवरेगा भविष्य?



आज का नवाचार, कल की हर थाली में पोषण... दुनिया की आबादी तीव्र गति से बढ़ने के साथ-साथ विश्व में भूख की समस्या भी बढ़ती जा रही है। कई ऐसे राष्ट्र हैं, जो इस समस्या से बुरी तरह जूझ रहे हैं। विश्वभर में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जिन्हें पेट भरने को दो समय का भोजन तक नसीब नहीं होता। बहुत सारे लोग तो ऐसे भी हैं, जिन्हें जिंदा रहने के लिए भी पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा। पोषित और पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाने के कारण दुनिया की बड़ी आबादी कुपोषण की शिकार हो रही है। भोजन को एक बुनियादी और मौलिक मानवाधिकार माना गया है लेकिन पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी विड़म्बना है कि खाने की कमी और कुपोषण के ही कारण प्रतिवर्ष लाखों लोग जान गंवा देते हैं। भोजन, हवा और पानी के बाद तीसरी सबसे बुनियादी मानवीय जरूरत हर किसी को पर्याप्त भोजन का अधिकार ही है। चिंताजनक स्थिति है कि दुनियाभर के किसान वैश्विक आबादी से ज्यादा लोगों को खिलाने के लिए पर्याप्त भोजन पैदा करते हैं किन्तु फिर भी भूख बनी रहती है।

वैश्विक भुखमरी को खत्म करने और सभी लोगों को पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 16 अक्तूबर को 'विश्व खाद्य दिवस' मनाया जाता है। दुनिया के करीब 150 सदस्य देश मिलकर यह दिवस मनाते हैं और संयुक्त राष्ट्र के कैलेंडर में सबसे ज्यादा मनाया जाने वाला दिवस भी यही है। यह दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य वैश्विक भुखमरी से निपटना और पूरी दुनिया से उसे जड़ से खत्म करना है ताकि दुनिया का कोई भी इंसान भूखा और कुपोषित न रहे। कृषि खाद्य प्रणाली परिवर्तन के लिए वैश्विक कार्रवाई को संगठित करते ह्यविश्व खाद्य दिवसह्ण के लिए हर साल एक खास विषय निर्धारित किया जाता है। विश्व खाद्य दिवस 2026 का विषय है 'आज नवाचार करें। कल का पोषण करें।'

एफएओ के अनुसार तीव्र जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण, आर्थिक विकास और जलवायु परिवर्तन पृथ्वी के जल संसाधनों पर दबाव बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा पिछले दशकों में मीठे पानी के संसाधनों में भी प्रति व्यक्ति 20 प्रतिशत की गिरावट आई है और दशकों के खराब उपयोग व प्रबंधन, भूजल के अत्यधिक दोहन, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण पानी की उपलब्धता तथा गुणवत्ता तेजी से बिगड़ रही है। एफएओ का कहना है कि मौजूदा समय में करीब 2.4 अरब लोग जल संकट वाले देशों में रहते हैं और इस अमूल्य संसाधन के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है क्योंकि पानी की कमी संघर्ष का निरंतर बढ़ता कारण बनती जा रही है। पृथ्वी पर जल एक सीमित और असीम मूल्यवान ऐसा प्राकृतिक संसाधन है, जिसके बिना धरती पर भोजन और जीवन असंभव है। यही नहीं, विश्वभर में 60 करोड़ से भी ज्यादा लोग अपनी आजीविका के लिए जलीय खाद्य प्रणालियों पर ही निर्भर हैं, जिनमें छोटे पैमाने के मछुआरे, मछली किसान, मछली प्रोसेसर और उनके आश्रित शामिल हैं, जो तटीय और अंतर्देशीय समुदायों की रीढ़ माने जाते हैं, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करते हैं और विश्वभर में संस्कृतियों को प्रभावित करते हैं।

दुनिया से भुखमरी को मिटाने के प्रयासों में जलवायु परिवर्तन, अंतर्राष्ट्रीय तनाव, आर्थिक समस्याएं इत्यादि सबसे बड़ी बाधा बन रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, बार-बार होने वाले मौसम के झटकों, संघर्षों, आर्थिक मंदी, असमानता और महामारी के कारण विश्व में करीब 733 मिलियन लोग भूख का सामना कर रहे हैं, जिसका सर्वाधिक असर गरीब और कमजोर तबके पर पड़ता है, जिनमें से कई कृषि परिवार हैं। कोरोना महामारी के दौर के बाद लंबे समय से चल रहे रूस-यूक्रेन और इजरायल-फिलस्तीन के भीषण युद्ध जैसी विकट परिस्थितियां भी भूख की समस्या को कम करने के बजाय और विकराल बनाने में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। इसीलिए इस समस्या को कम करने के लिए दुनियाभर में तेज गति से गंभीर प्रयास किए जाने की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि भूख और कुपोषण लंबे समय तक चलने वाले संकटों से और बढ़ जाते हैं, जो संघर्ष, चरम मौसम की घटनाओं और आर्थिक झटकों के संयोजन से प्रेरित होते हैं।

आज दुनिया में करोड़ों लोग भूख से पीड़ित हैं और स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। एफएओ के मुताबिक विश्व में 2.8 बिलियन से भी ज्यादा लोग स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में असमर्थ हैं और अस्वास्थ्यकर आहार ही सभी प्रकार के कुपोषण का प्रमुख कारण है। कमजोर लोगों को प्रायः मुख्य खाद्य पदार्थों या कम महंगे खाद्य पदार्थों पर निर्भर रहने के लिए विवश होना पड़ता है, जो अस्वास्थ्यकर हो सकते हैं जबकि अन्य लोग ताजे या विविध खाद्य पदार्थों की अनुपलब्धता से पीड़ित हैं, उन्हें स्वस्थ आहार चुनने के लिए जरूरी जानकारी की कमी है या फिर वे केवल सुविधा के लिए विकल्प चुनते हैं। दुनियाभर में प्रतिवर्ष हर 10 में से एक व्यक्ति दूषित भोजन के कारण बीमार हो जाता है और हर साल 4.2 लाख लोगों की मौत का कारण दूषित भोजन ही है, जिनमें करीब सवा लाख बच्चे भी होते हैं। संयुक्त राष्ट्र के 'खाद्य एवं कृषि संगठन' के अनुसार 2021 में दुनियाभर में 5 लाख लोगों की मौत भूख से ही हुई थी। हालांकि ऐसा नहीं है कि पृथ्वी पर इतना अनाज पैदा नहीं हो रहा, जिससे दुनिया के हर व्यक्ति को पर्याप्त भोजन मिल सके बल्कि सबसे बड़ी समस्या पोषणयुक्त आहार तक सभी की पहुंच और उपलब्धता है।

एफएओ का कहना है कि वर्तमान में मत्स्य पालन में हम करीब तीन हजार प्रजातियों का दोहन करते हैं जबकि इनमें से केवल 650 से कुछ अधिक प्रजातियों की ही खेती करते हैं। एफएओ के मुताबिक इन जलीय पारिस्थितिक तंत्रों और उनके द्वारा समर्थित प्रजातियों का संरक्षण और सुरक्षा करना केवल एक जिम्मेदारी ही नहीं है बल्कि पृथ्वी और इसके निवासियों की भलाई के लिए एक बड़ी आवश्यकता भी है। जलीय खाद्य पदार्थ भी सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और अपनी विविधता से जलीय खाद्य प्रणाली मानव के लिए पोषण और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए एक अद्वितीय और महत्वपूर्ण खाद्य स्रोत बनती है। चिंता का विषय है कि जीवनयापन के लिए आंशिक रूप से ही सही, जलीय खाद्य प्रणालियों पर निर्भर 60 करोड़ लोग प्रदूषण, पारिस्थितिकी तंत्र के क्षरण, अस्थिर प्रथाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से पीड़ित हैं। ऐसे में न केवल जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करने की सख्त आवश्यकता है बल्कि लोगों को अधिक भोजन तथा अन्य बुनियादी कृषि उत्पाद पैदा करने के लिए कम पानी का उपयोग करने की आवश्यकता है।

बहरहाल, वैश्विक जल एवं जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करते हुए पूरी दुनिया में मौजूदा जल चुनौतियों से निपटने के लिए अब लोगों द्वारा कृषि-खाद्य प्रणालियों में जल के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने की बड़ी जरूरत महसूस की जाने लगी है। सुरक्षित जल और खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना सुनिश्चित करने के लिए बेहद जरूरी है कि दुनियाभर के देश पारंपरिक ज्ञान की शक्ति का पूर्ण उपयोग करते हुए विज्ञान और नवाचार के माध्यम से जल संसाधनों की कमी और जल सुरक्षा मुद्दों के नए समाधान ढूंढ़ने के गंभीर प्रयास करें। मौजूदा जल चुनौतियों से निपटने के लिए हमें कृषि खाद्य प्रणालियों में प्रभावी जल उपयोग सुनिश्चित करने और अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग के सुरक्षित तरीके खोजने के साथ-साथ जल और जलीय खाद्य प्रणालियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी होगी तथा जलवायु परिवर्तन और बढ़ती मांग के मद्देनजर सभी के लिए किफायती पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए दुनिया के समक्ष मौजूद खाद्य चुनौतियों का मिलकर समाधान करना होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण विषयों के जानकार और चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के लेखक हैं)

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

थाना नौगावां सादात पुलिस द्वारा घर में घुसकर चोरी करने का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी के आभूषण व अवैध तमंचा-कारतूस बरामद



अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के निकट पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी नौगावां सादात अवधमान सिंह भदौरिया के पर्यवेक्षण में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक थाना नौगावां सादात के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा 24 अगस्त को ग्राम खेतापुर जहाँगीरपुर निवासी वसरुद्दीन के घर में घुसकर चोरी करने के मामले में वांछित अभियुक्त बिलाल पुत्र सबाबुल निवासी ग्राम पंजूसराय, थाना नौगावां सादात, जनपद अमरोहा, उम्र करीब 23 वर्ष को गुरुवार को समय करीब 09:54 बजे धनौरा रोड स्थित ग्राम खेतापुर के आम के बाग से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से चोरी के आभूषण तथा अवैध तमंचा व कारतूस बरामद हुए। 24 अगस्त को थाना नौगावां सादात क्षेत्रान्तर्गत वादी वसरुद्दीन के घर में घुसकर चोरी किए जाने के संबंध में मु0अ0सं0 377/2026 धारा 305(ए) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया था। विवेचना के दौरान प्रकाश में आए वांछित अभियुक्त बिलाल को पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से चोरी के आभूषण तथा अवैध तमंचा व कारतूस बरामद हुए। अभियुक्त के विरुद्ध मुकदमा उपरोक्त में धारा 317(2) बीएनएस एवं धारा 3/25 आर्म्स एक्ट की वृद्धि कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त थानों पर नियुक्त बीट पुलिसकर्मियों के साथ गोष्ठी आयोजित कर दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश



अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को पुलिस कार्यालय सभागार, जनपद अमरोहा में समस्त थानों के बीट पुलिसकर्मियों (आरक्षी/मुख्य आरक्षी के साथ गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा विकसित यक्ष (Yaksh) ऐप के प्रभावी क्रियान्वयन, बीट सूचना को ऐप पर नियमित एवं अद्यतन रूप से अंकित करने तथा अपराधियों के सत्यापन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। गोष्ठी के दौरान बीट पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि अपने-अपने बीट क्षेत्र की सूचनाओं को यक्ष ऐप पर समयबद्ध एवं सटीक रूप से अंकित करें तथा संबंधित अपराधियों का नियमानुसार भौतिक सत्यापन कर उनकी वर्तमान स्थिति, निवास एवं अन्य आवश्यक विवरणों को अद्यतन रखें। साथ ही, ऐप पर उपलब्ध सूचनाओं की शुद्धता सुनिश्चित करते हुए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। यक्ष ऐप के माध्यम से अपराधियों से संबंधित सूचनाओं के एकीकृत डिजिटल संकलन, त्वरित सूचना आदान-प्रदान एवं प्रभावी निगरानी को बढ़ावा मिलता है। इसके दृष्टिगत सभी बीट पुलिसकर्मियों को ऐप का नियमित उपयोग करने तथा बीट पुलिसिंग को अधिक प्रभावी, जवाबदेह एवं परिणामोन्मुख बनाने हेतु निर्देशित किया गया। जनपद अमरोहा पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से पुलिसिंग व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

ग्राम पंचायत गजाना में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के ग्राम गजाना, दिनांक 15 अक्टूबर 2026 को पंचायत भवन में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें समाचार लिखे जाने तक 32 रोगी देखे जा चुके थे 14 रोगियों की डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड आदि रोगों की जांच की जा चुकी थी जो की सभी नेगेटिव पाए गए हैं स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर मोहम्मद अनस, लैब टेक्नीशियन मनोज कुमार तथा स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी केशव कुमार आदि द्वारा सक्रिय योगदान किया गया। जनपद स्तर से मुख्य चिकित्सा अधिकारी महोदय, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी महोदय, जिला मलेरिया अधिकारी महोदय, जिला एपिडेमियोलॉजी जिला मलेरिया इंस्पेक्टर आदि द्वारा भी कैंप में योगदान प्रदान किया गया। ग्राम में लार्वी साइड तथा फागिंग करवाने हेतु ग्राम प्रधान जी को मुख्य चिकित्सा अधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया है तथा कहा गया है कि प्रत्येक सप्ताह तीन सप्ताह तक लगातार लार्वी साइड स्प्रे तथा फॉकिंग करवाई जाए जिससे गांव में संक्रामक बीमारियों का प्रचार प्रसार रोका जा सके। वर्षा के दृष्टिगत ग्राम वासियों को पानी उबालकर पीने तथा पानी में क्लोरीन की गोली डालने के पश्चात पानी पीने की सलाह दी गई है तथा कैंप के द्वारा गांव में क्लोरीन की गोलियों का वितरण भी कराया गया है।

जिलाधिकारी ने राजकीय गंगा मेला तिगरी-2026 की तैयारियों की समीक्षा की, अधिकारियों से जानी प्रगति



अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने राजकीय गंगा मेला तिगरी-2026 के सफल, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित आयोजन के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ जूम के माध्यम से बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा अब तक की गई तैयारियों एवं कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। साथ ही, प्रस्तावित कार्यों की निविदा प्रक्रिया की स्थिति की समीक्षा करते हुए जिन विभागों में अभी निविदा प्रक्रिया पूर्ण नहीं हुई है, उन्हें शीघ्रता से प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। राजकीय गंगा मेला तिगरी का आयोजन 15 नवंबर से 25 नवंबर 2026 तक किया जाएगा, जबकि मुख्य स्नान पर्व 24 नवंबर 2026 को निर्धारित है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मेले से संबंधित सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी संबंधित अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए व्यवस्थाओं को समय से पूरा कराना सुनिश्चित करें। निविदा प्रक्रिया पूर्ण करने में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि गंगा मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए उनकी सुरक्षा एवं सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। मेला क्षेत्र में सड़कों एवं अस्थायी मार्गों का निर्माण, घाटों पर स्नान के दौरान सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग, पेयजल, विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता, अस्थायी शौचालय, पार्किंग तथा यातायात प्रबंधन सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित की जाएं। इसके साथ ही चिकित्सा शिविर, एंबुलेंस, अग्निशमन, खोया-पाया केंद्र, सीसीटीवी कैमरे तथा संचार व्यवस्था को भी सुचारु रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से विभागवार तैयारियों की जानकारी लेते हुए कहा कि मेले में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए निर्धारित समय में उन्हें पूर्ण कराएं। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने निर्देश दिए कि नियमानुसार निविदा प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करते हुए टेंडर का चयन किया जाए तथा मेले से संबंधित सभी आवश्यक कार्य समय से पूर्ण करा लिए जाएं। उन्होंने कहा कि कार्यों में लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब होने पर संबंधित अधिकारी का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजकीय गंगा मेला तिगरी-2026 के आयोजन को भव्य, सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण बनाने के लिए सभी तैयारियां समय से पूरी की जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। बैठक में पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया मुख्य विकास अधिकारी से अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह सहित संबंधित समस्या अधिकारी उपस्थित रहे

धनौरा में नॉरेक्स फाउंडेशन में स्कूली बच्चों के साथ मनाया 'ग्लोबल हैंडवाशिंग डे' ,स्वच्छता व बीमारियों के प्रति किया जागरूक





धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील क्षेत्र के स्थित प्राथमिक विद्यालय में नॉरेक्स फाउंडेशन द्वारा स्कूली बच्चों के साथ 'ग्लोबल हैंडवाशिंग डे' बड़े ही उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान फाउंडेशन द्वारा बच्चों को स्वच्छता एवं बीमारियों के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। फाउंडेशन का उद्देश्य बच्चों को साफ सफाई और बीमारियों से बचाव के लिए जागरूक करना रहा। बता दें कि धनौरा तहसील क्षेत्र में नॉरेक्स फाउंडेशन ने 15 अक्टूबर को 'ग्लोबल हैंडवॉशिंग डे' क्षेत्र स्थित प्राथमिक विद्यालय मुसेल्लेपुर, सांवलियन स्कूल रामपुरा तगा और ब्लू बड्र्स इंटरनेशनल स्कूल में स्वच्छता कार्यक्रम किए। इनका उद्देश्य बच्चों को साफ-सफाई और बीमारियों से बचाव के लिए जागरूक करना था, जिसकी थीम Be a Handwashing Hero थी।नॉरेक्स फाउंडेशन के अनुराग नाथ ने बच्चों को हाथ धोने का सही तरीका बताया। उन्होंने समझाया कि इससे कई बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने व्यक्तिगत साफ-सफाई और 'स्वच्छ भारत मिशन' के मकसद पर भी बात की।कार्यक्रम को सफल बनाने में नॉरेक्स फाउंडेशन टीम के एग्रोनॉमिस्ट अरुण कुमार, दीपक शर्मा तथा फील्ड ऑफिसर तेजपाल सिंह, विपुल कुमार, मनोज शर्मा और अनिकेत कुमार सहित अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा। प्रधानाध्यापिका सविता रानी, मंजुलता, ज्ञानेश सिंह, योगराज सिंह, सुभाष सिंह, हिमांशु याजुवेर्दी ने इन कार्यक्रमों को संभाला। ब्लू बड्र्स इंटरनेशनल स्कूल में कार्यक्रम प्रबंध निदेशक राहुल अग्रवाल की देखरेख में हुआ। आखिर में फाउंडेशन ने बच्चों को साबुन और खाने का सामान दिया। बच्चों ने साफ-सफाई की शपथ ली। स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों ने तारीफ की

नवाचार के माध्यम से विकसित भारत @ 2047 की परिकल्पना को साकार करने का किया आह्वान





अमरोहा (सब का सपना):- व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग द्वारा आज महाराजा अग्रसेन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, बागडपुर माफी, गजरौला में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा फेस्ट इनोवेशन चैलेंज के ग्रैंड फिनाले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न राजकीय आईटीआई, इंजीनियरिंग कॉलेज एवं पॉलीटेक्निक संस्थानों के कुल 288 प्रशिक्षार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षार्थियों द्वारा नवाचार के अंतर्गत तैयार किए गए जॉब, प्रोजेक्ट एवं मॉडल प्रतियोगिता में प्रदर्शित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने प्रशिक्षार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए नवाचार के माध्यम से भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार की विकसित भारत @ 2047 की परिकल्पना को साकार करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों द्वारा प्रशिक्षार्थियों को शासन तथा विभागों की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की जानकारी दी गई। इसमें मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना तथा बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराने सहित अन्य योजनाओं के बारे में भी अवगत कराया गया, जिससे प्रशिक्षार्थी स्वरोजगार एवं उद्यमशीलता के अवसरों का लाभ उठा सकें। मुख्य विकास अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों ने प्रतियोगिता में प्रदर्शित प्रोजेक्ट, मॉडल एवं प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रोजेक्ट की व्यवहारिकता एवं उपयोगिता को दृष्टिगत रखते हुए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।
इस अवसर पर राहुल कृष्ण शर्मा, नोडल प्रधानाचार्य, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, राजकीय आईटीआई गजरौला के प्रधानाचार्य सचिन आर्या, लीड बैंक मैनेजर, जिला उद्योग केंद्र के प्रतिनिधि तथा महाराजा अग्रसेन ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के चेयरमैन एवं संयुक्त सचिव (आईआईए) सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में नोडल प्रधानाचार्य ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं प्रशिक्षार्थियों का आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

डिडौली क्षेत्र में दो दिन से तेंदुए की चहलकदमी बरकरार,क्षेत्रीय लोगों में दहशत



डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना डिडौली क्षेत्र में तेंदुए की चहलकदमी लगातार बरकरार है जिसको क्षेत्रीय लोग 2 दिन से लगातार देख रहे हैं। बुधवार की रात को क्षेत्र के जंगलों में तेंदुए के दिखाई देने से ग्रामीणों में भाई का माहौल है इससे पहले भी बीते मंगलवार को क्षेत्र स्थित ईदगाह की दीवार पर तेंदुआ बैठा हुआ देखा गया था। विभागीय अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों से बाहर निकलने में सतर्कता बढ़ाने की अपील की गई है। बता दें कि डिडौली थाना क्षेत्र के चुबका गांव में बुधवार रात खेत में तेंदुआ दिखाई देने से ग्रामीणों में डर फैल गया। तेंदुए का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक, पिछले कई दिनों से गांव में तेंदुआ दिखाई देने की चर्चा थी।जानकारी के अनुसार, बुधवार-गुरुवार की रात करीब 10 बजे मोहित पटेल ने सूरज सिंह के खेत में तेंदुआ देखा। उन्होंने तुरंत ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।सूचना मिलने पर पीआरवी टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों को तेंदुए से दूर रहने और सावधानी बरतने की सलाह दी। तेंदुआ दिखाई देने के बाद से गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीण वन विभाग की टीम के पहुंचने और तेंदुए को लेकर जरूरी कार्रवाई किए जाने का इंतजार कर रहे हैं।

शुद्ध पेयजल की प्रहरी बनीं महिलाएं, गांव-गांव कर रहीं पानी की जांच



अमरोहा (सब का सपना):- गांवों में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महिलाएं अहम भूमिका निभा रही हैं। जल जीवन मिशन के तहत जिले में प्रशिक्षित 4519 महिलाएं फील्ड टेस्ट किट (एफटीके) के माध्यम से पेयजल की गुणवत्ता की जांच कर रही हैं। सुजलाम शक्ति समूहों से जुड़ी ये महिलाएं गांवों में पानी की शुद्धता पर नजर रखने के साथ लोगों को सुरक्षित पेयजल के इस्तेमाल और पानी बचाने के लिए भी जागरूक कर रही हैं। इससे गांव स्तर पर पेयजल गुणवत्ता की निगरानी व्यवस्था को मजबूती मिल रही है। जल जीवन मिशन 1.0 में प्रत्येक राजस्व गांव से पांच महिलाओं को जल गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रशिक्षित किया गया था। अब यही प्रशिक्षित महिलाएं जल जीवन मिशन 2.0 के तहत सुजलाम शक्ति समूह के रूप में गांवों में पेयजल गुणवत्ता की निगरानी कर रही हैं। जिले में कुल 953 राजस्व गांवों की 4519 महिलाओं को जल गुणवत्ता परीक्षण का प्रशिक्षण दिया गया है। एफटीके के माध्यम से पानी में आयरन, नाइट्रेट, क्लोराइड समेत विभिन्न अशुद्धियों की प्राथमिक स्तर पर जांच की जाती है। पेयजल की गुणवत्ता के मानक भारतीय मानक आईएस-10500:2012 के अनुरूप निर्धारित हैं। प्रशिक्षित महिलाएं हर महीने घरों के नल कनेक्शन एफएचटीसी विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, स्वास्थ्य केंद्रों और हैंडपंप सहित विभिन्न स्रोतों से पानी के नमूने लेकर उनकी जांच करती हैं। इस कार्य के लिए उन्हें निर्धारित मानदेय भी दिया जाता है। पेयजल की गुणवत्ता जांचने के साथ प्रशिक्षित महिलाएं ग्रामीणों को जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन के महत्व के बारे में भी जानकारी देती हैं। सुजलाम शक्ति समूहों की महिलाओं को ग्राम स्तर पर गठित जल समितियों में सदस्य के रूप में शामिल किया जाता है। इस तरह वे गांवों में पानी की गुणवत्ता पर निगरानी रखने के साथ जल संरक्षण से जुड़े प्रयासों में भी भागीदारी निभा रही हैं। जल निगम ग्रामीण अमरोहा के अधिशासी अभियंता मुजीब अहमद ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण पेयजल पहुंचाना विभाग की प्राथमिकता है।
गांव स्तर पर प्रशिक्षित महिलाओं के माध्यम से पेयजल की गुणवत्ता पर नजर रखी जा रही है। पेयजल आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों के त्वरित निस्तारण और व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

नवरात्र के मद्देनजर अमरोहा में खाद विभाग की छापेमारी, फलों के गोदामों में की कार्बाइड से फल पकाने जाने





अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में नवरात्रों को मद्देनजर रखते हुए फलों में मिलावट को रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने एक अभियान के तहत क्षेत्र में स्थित फलों के गोदाम में जाकर छापेमारी करते हुए सैंपल इकट्ठा किये और उनकी शुद्धता की पड़ताल हेतु उन्हें जांच के लिए भेज दिया।इस दौरान विभागीय अधिकारियों ने फलों को पकाने में प्रयोग होने वाले रसायनों की जानकारी भी जुटाई। बता दें कि अमरोहा में नवरात्र के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मिलावटखोरी के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। गुरुवार को विभाग की टीमों ने जिलेभर की फल मंडियों और गोदामों में अचानक छापेमारी की।इस दौरान फलों को पकाने के तरीकों की जांच की गई और गोदामों से सैंपल लेकर उनकी शुद्धता की पड़ताल शुरू की गई। अधिकारियों ने फलों को पकाने में इस्तेमाल होने वाले रसायनों की जानकारी भी जुटाई।सहायक खाद्य आयुक्त विनय कुमार अग्रवाल ने गुरुवार दोपहर 2 बजे बताया कि फलों को कृत्रिम तरीके से पकाने के लिए कार्बाइड जैसे हानिकारक रसायनों के इस्तेमाल पर विशेष नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे रसायनों का इस्तेमाल स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है।विभाग के मुताबिक, अभियान का उद्देश्य नवरात्र में व्रत के दौरान इस्तेमाल होने वाले फलों की शुद्धता सुनिश्चित करना और मानव उपभोग के योग्य नहीं पाए जाने वाले खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकना है। सहायक खाद्य आयुक्त ने बताया कि मिलावट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। इसके लिए टीमों को अलर्ट पर रखा गया है और बाजारों की लगातार निगरानी की जा रही है।

सीएम युवा योजना का कमाल दो लाख के ऋण से संवरी मुशाहिद की किस्मत





बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान सीएम युवा धरातल पर युवाओं के सपनों को नई उड़ान दे रही है। जनपद संभल के बहजोई स्थित ईदगाह कॉलोनी निवासी मुशाहिद की कहानी इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। योजना के तहत मिले महज 2 लाख रुपये के ऋण और जिला उद्योग केंद्र के मार्गदर्शन से मुशाहिद ने न केवल अपने बिग बॉस मेन्स पार्लर को आधुनिक रूप दिया बल्कि आज वह सालाना 8 से 9 लाख रुपये का टर्नओवर हासिल कर रहे हैं। इस कारोबार से वे खुद हर महीने 70 हजार रुपये कमा रहे हैं और चार अन्य युवाओं को रोजगार देकर उनकी आजीविका का जरिया भी बने हैं। ईदगाह कॉलोनी बहजोई निवासी मुशाहिद बताते हैं कि वे सैलून के काम में आगे बढ़ना चाहते थे लेकिन पूंजी की कमी हमेशा राह में रोड़ा बनती थी। इसी बीच उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के बारे में जानकारी मिली और आवेदन करने पर उन्हें 2 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हो गया। इस धनराशि से उन्होंने पार्लर में आधुनिक उपकरण कुर्सियां व साज-सज्जा के सामान जोड़कर इसे पेशेवर रूप दिया। सुविधाएं बेहतर होने से ग्राहकों का भरोसा तेजी से बढ़ा और आज उनके पार्लर में रोजाना औसतन 30 से 35 ग्राहक आते हैं। नियमित ग्राहकों की संख्या बढ़ने से वे अब हर महीने लगभग 70,000 रुपये की शुद्ध आय अर्जित कर रहे हैं और उनकी इकाई का वार्षिक टर्नओवर 8 से 9 लाख रुपये तक पहुंच चुका है। मुशाहिद केवल खुद की आमदनी बढ़ाने तक सीमित नहीं रहे बल्कि बढ़ते काम को संभालने के लिए उन्होंने चार स्थानीय युवकों को अपने पार्लर में जोड़कर रोजगार भी दिया है। अपनी सफलता का श्रेय प्रदेश सरकार की नीतियों को देते हुए मुशाहिद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र सम्भल के अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हैं। उनका कहना है कि प्रदेश के प्रत्येक हुनरमंद युवा को इस योजना का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनना चाहिए। जिलाधिकारी डॉ. अंकित खंडेलवाल ने कहा कि मुशाहिद जैसे युवाओं की सफलता साबित करती है कि यह योजना धरातल पर असर दिखा रही है। जिले के प्रत्येक हुनरमंद युवा को वित्तीय मदद व तकनीकी मार्गदर्शन देकर आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कन्या विवाह सहायता योजना के तहत 788 लाभार्थियों को मिली 4.33 करोड़ से अधिक की आर्थिक मदद



बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन में श्रम विभाग सम्भल द्वारा उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (UPBOCW) के अंतर्गत संचालित कन्या विवाह सहायता योजना के माध्यम से पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की पुत्रियों के विवाह हेतु बड़े पैमाने पर आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। सहायक श्रमायुक्त राम लखन पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में इस योजना के अंतर्गत अब तक कुल 788 लाभार्थियों को चार करोड़ तैंतीस लाख चालीस हजार रुपये की आर्थिक सहायता डीबीटी के माध्यम से प्रदान की जा चुकी है। शासन द्वारा संचालित इस योजना के तहत विभिन्न श्रेणियों में वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है जिसके अंतर्गत सामान्य विवाह के लिए 65,000, अंतजार्तीय विवाह के लिए 75,000 तथा सामूहिक विवाह में शामिल होने वाली पात्र पुत्री के विवाह हेतु 85,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। योजना का लाभ उठाने के लिए निर्माण श्रमिक का बोर्ड में पंजीकरण कम से कम 365 दिन पुराना होना अनिवार्य है। योजना के अंतर्गत एक श्रमिक परिवार की अधिकतम दो संतानों को ही यह लाभ दिया जा सकता है। नियमानुसार विवाह के समय पुत्री की आयु कम से कम 18 वर्ष तथा वर की आयु कम से कम 21 वर्ष होनी चाहिए। व्यक्तिगत विवाह सम्पन्न होने के छह माह के भीतर तथा सामूहिक विवाह की स्थिति में निर्धारित तिथि से कम से कम 15 दिन पूर्व आवेदन करना आवश्यक है। आवेदन के लिए पुत्री एवं वर का आयु प्रमाण-पत्र स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट या परिवार रजिस्टर की प्रमाणित प्रति ऑनलाइन विवाह पंजीकरण प्रमाण-पत्र बैंक खाते का विवरण विवाह का प्रमाणित फोटोग्राफ पिछले 12 महीनों में कम से कम 90 दिन निर्माण कार्य में नियोजित रहने का प्रमाण तथा अन्य समान सरकारी योजना का लाभ प्राप्त न होने संबंधी स्वघोषणा-पत्र संलग्न करना अनिवार्य है। पात्र निर्माण श्रमिक पोर्टल पर स्वयं अथवा अपने नजदीकी जनसेवा केंद्र सीएससी के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पात्र निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवारों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि कन्या विवाह सहायता योजना श्रमिक परिवारों की बेटियों के विवाह में आर्थिक सहयोग प्रदान करने की महत्वपूर्ण पहल है।

संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि पात्र लाभार्थियों को योजना की जानकारी मिले और उनके आवेदन का नियमानुसार समय से निस्तारण किया जाए। इसके साथ ही श्रम विभाग ने जिले के सभी पात्र निर्माण श्रमिकों से अपना पंजीकरण कराकर योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

हसनपुर पुलिस ने शांति भंग की आशंका में 4 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा



हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की थाना हसनपुर पुलिस ने गुरुवार को शांति भंग की आशंका में चार लोगों को गिरफ्तार करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया है पुलिस द्वारा इस कार्यवाही को पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देश अनुसार जनपद भर में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत किया गया है। बता दें कि हसनपुर पुलिस ने शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इन सभी को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170, 126 और 135 के तहत उपजिलाधिकारी न्यायालय हसनपुर भेजा गया है। पुलिस के मुताबिक, क्षेत्र में किसी भी संभावित विवाद को रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई। पुलिस लगातार कानून व्यवस्था पर नजर रख रही है गिरफ्तार किए गए लोगों में मोहित (26) पुत्र रामनाथ सिंह निवासी कालाशहीद, रामचन्दर पुत्र आनन्दी उर्फ आनन्दपाल निवासी कनपुर खादर (अमरोहा), मनू (22) पुत्र धर्मवीर सिंह और अमन (27) पुत्र धर्मवीर सिंह, दोनों निवासी झकड़ी अड्डा, हसनपुर शामिल हैं।

तेज रफ्तार कैंटर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली में मारी टक्कर चालक गंभीर रूप से घायल टला बड़ा हादसा







बहजोई/संभल (सब का सपना):- चंदौसी-बबराला मार्ग पर स्थित केएचएम स्कूल बमनेटा)के निकट दोपहर के समय एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ चंदौसी की तरफ से आ रहे एक कैंटर ने आगे चल रही ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर के कारण ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। गनीमत यह रही कि समय रहते स्थिति संभल गई वरना एक बड़ा हादसा हो सकता था।जानकारी के अनुसार यह पूरी घटना दोपहर करीब दो बजे की है। मुल्हेता गांव निवासी भगवान दास पुत्र शीशपाल उम्र करीब 36 वर्ष बहजोई क्षेत्र की एक सीमेंट की दुकान पर वह अपनी ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सीमेंट और रेत लादकर दुकान का माल ढोने का कार्य करता है। घटना के समय वह लहरावन के पास किसी ग्रामीण इलाके में सीमेंट रेत का भाड़ा डालकर लौट रहा था तभी यह हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि कैंटर और ट्रैक्टर-ट्रॉली दोनों ही चंदौसी की ओर से आ रहे थे। बमनेटा के पास केएचएम स्कूल के नजदीक पीछे से आ रही कैंटर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि भगवान दास ट्रैक्टर से संतुलन खो बैठा और सीधा सड़क पर जा गिरा। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण वह मौके पर ही लहूलुहान हो गया। इसके अलावा हादसे में ट्रॉली को भी नुकसान पहुंचा है। घटना के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोगों ने मदद के लिए दौड़ लगाई। स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से घायल भगवान दास को तुरंत एक नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज जारी है। राहत की बात यह है कि उपचार के बाद अब उसकी हालत में काफी सुधार बताया जा रहा है जिससे परिजनों ने भी बड़ी राहत की सांस ली है।

समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मनाई डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती

सपाइयों ने चित्र पर माल्यार्पण कर पूर्व राष्ट्रपति के योगदान को किया याद





संभल (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार गुरुवार को जिला संभल में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती मनाई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी, जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार सहित अन्य पदाधिकारियों ने डॉ. कलाम के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके जीवन, संघर्ष तथा देश के विकास में दिए गए योगदान को याद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक साधारण परिवार में हुआ था। आर्थिक परिस्थितियां सामान्य होने के बावजूद उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और अपनी मेहनत, लगन तथा प्रतिभा के बल पर देश के महान वैज्ञानिकों में स्थान बनाया। उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम को भारत का 'मिसाइल मैन' कहा जाता है। उन्होंने डीआरडीओ और इसरो में वैज्ञानिक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइलों के विकास में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा। वर्ष 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण के दौरान भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विज्ञान और रक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान ने देश को नई पहचान दिलाई। जिला अध्यक्ष ने कहा कि डॉ. अब्दुल कलाम 25 जुलाई 2002 से 25 जुलाई 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे। उन्हें जनता का राष्ट्रपति कहा जाता था। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए भी उनका जुड़ाव बच्चों और युवाओं से बना रहा। वह विद्यार्थियों से संवाद करते थे और उन्हें बड़े सपने देखने, कठिन परिश्रम करने तथा अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते थे। उनका मानना था कि देश का भविष्य युवाओं के हाथों में है और शिक्षा के माध्यम से ही राष्ट्र को प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ाया जा सकता है। कार्यक्रम में जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा कि डॉ. कलाम को उनके अतुलनीय योगदान के लिए पद्म भूषण, पद्म विभूषण और देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उन्होंने 'विंग्स ऑफ फायर', 'इग्नाइटेड माइंड्स' और 'इंडिया 2020' जैसी प्रेरणादायक पुस्तकें लिखीं, जो आज भी युवाओं को आगे बढ़ने और देश की सेवा करने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि 27 जुलाई 2015 को मेघालय की राजधानी शिलांग में विद्यार्थियों को व्याख्यान देते समय डॉ. कलाम का निधन हो गया था। उनका जीवन सादगी, अनुशासन, मेहनत और देशभक्ति का प्रतीक है। उनके विचार आज भी विद्यार्थियों, युवाओं और देशवासियों को प्रेरित करते हैं। राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया। कार्यक्रम को ममता मधुकर, सुनीता यादव, शारदा यादव, इरफान प्रधान, सईद अख्तर, इजरायली, शोभित कुमार, काका, फखरे आलम, ताहिर उल्ला खान, भगवानदास यादव, बलवंत सिंह, रवि दिवाकर, ज्ञानेंद्र यादव, ताहिर सलामी और हाफिज अंजार सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। इस अवसर पर शिवम यादव, अमरपाल यादव, कल्याण सिंह, सत्यवीर यादव, मोहित यादव, डॉ. अकरम, आस मोहम्मद, हाजी अकबर, फैयाज प्रधान, इंद्र प्रकाश, तेजपाल सिंह, चरक सिंह, रियासत भाई, फराज, असगर अंसारी, साबिर खान, नजाकत, मंजर खान, बृजपाल सिंह, अकील अंसारी, अरविंद यादव सहित समाजवादी पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित

अधिकारियों को दिए गए कड़े निर्देश





बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में आगामी रामनवमी रामलीला दुर्गा पूजा दशहरा और महर्षि वाल्मीकि जयंती को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और परंपरागत माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता जिला अधिकारी अंकित खण्डेलवाल और पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से की। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्यप्रिय सिंह ने सभी थाना क्षेत्रों के शांति समिति के सदस्यों थानाध्यक्षों क्षेत्राधिकारियों और उप जिला धिकारियों से त्योहारों के दौरान होने वाले आयोजनों की तैयारियों और संभावित समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान समिति के सदस्यों ने रामलीला मंचन राम बारात मेला स्थलों पर साफ-सफाई पेयजल शौचालय स्वास्थ्य शिविर अग्निशमन प्रबंध और रावण दहन के वक्त पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती को लेकर कई सुझाव दिए। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी कार्यक्रम स्थलों और पंडालों का बारीकी से निरीक्षण किया जाए ताकि प्रवेश और निकास मार्गों की पुख्ता व्यवस्था हो सके। इसके अलावा अग्निशमन यंत्रों बालू से भरी बाल्टियों और सुरक्षा के अन्य उपकरणों की उपलब्धता के साथ महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही आयोजकों से अपने वालंटियर्स की सूची समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यक्रम स्थलों पर साफ-सफाई स्ट्रीट लाइट ठीक कराने विद्युत तारों की जांच करने और पूरे आयोजनों के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। रावण दहन स्थलों पर फायर ब्रिगेड अग्निशमन उपकरणों के साथ एम्बुलेंस की तैनाती अनिवार्य की गई। सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर चिकित्सकों की उपलब्धता और बर्न वार्ड दुरुस्त रखने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिए गए। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को मेला स्थलों के आसपास घूम रहे छुट्टा पशुओं की रोकथाम करने तथा खाद्य सुरक्षा विभाग को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच करने के आदेश दिए गए। विद्युत चालित झूलों के लिए सुरक्षा मानकों की जांच और एनओसी लेना भी अनिवार्य किया गया। मूर्ति विसर्जन स्थलों पर विशेष रूप से बैरिकेडिंग गोताखोरों की तैनाती और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि त्योहार समाज को जोड़ने और आपसी सौहार्द को बढ़ावा देने का जरिया हैं। सभी पर्वों की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस प्रशासन और आयोजकों को पूरी तरह सतर्क रहना होगा ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। उन्होंने आयोजकों से अपील की कि वे कार्यक्रम स्थलों और मुख्य मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाएं तथा स्वयंसेवकों की मदद लें। अग्नि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और सभी उपजिलाधिकारियों एवं क्षेत्राधिकारियों को संबंधित विभागों के साथ लगातार कार्यक्रम स्थलों का भ्रमण करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान साफ-सफाई, विद्युत आपूर्ति और सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने हाईटेंशन लाइनों की समय रहते जांच कराने और त्योहारों के समय अनावश्यक बिजली कटौती न करने के निर्देश दिए।

घनी आबादी वाले इलाकों में आतिशबाजी के अवैध भंडारण पर पूरी तरह रोक लगाने और चिन्हित आतिशबाजी स्थलों का निरीक्षण करने को कहा गया। सार्वजनिक जगहों पर जुआ और शराब जैसी अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखने तथा पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को नियमित रूप से पेट्रोलिंग करने के आदेश दिए गए। जिलाधिकारी ने जुलूसों शोभायात्राओं रामलीला और रावण दहन स्थलों पर विशेष निगरानी रखने को कहा। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि शांति समिति के सदस्यों और आयोजकों द्वारा उठाई गई सभी समस्याओं का समयबद्ध तरीके से समाधान किया जाएगा क्योंकि सभी त्योहारों को शांतिपूर्ण और परंपरागत रूप से सम्पन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस उच्चस्तरीय बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्यप्रिय सिंह अपर जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ कुमार पाण्डेय मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार रावत सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार सहित सभी उपजिलाधिकारी क्षेत्राधिकारी खंड विकास अधिकारी नगर पालिका व नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इनके साथ ही शांति समिति के प्रमुख सदस्य कमल कांत तिवारी, मोनू यादव, भुवनेश, नाजिम सैफी, ऐहतेशाम अहमद, फारुख और मुस्तकीम सहित आदि उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति के तहत बड़ा कदम, कक्षा 10 की छात्रा वंशिका बनीं एक दिन की जिला विद्यालय निरीक्षक



अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए संचालित मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जनपद अमरोहा में शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर एक प्रेरणादायक पहल की गई। आज दिनांक 15 अक्टूबर 2026 को राणा सिंह मेमोरियल सिख इंटर कॉलेज, खण्डसाल कलां, अमरोहा की कक्षा 10 की मेधावी छात्रा कु0 वंशिका को सांकेतिक रूप से एक दिन के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक (DIOS), अमरोहा के पद पर आसीन किया गया। कार्यालय पहुंचने पर कु0 वंशिका का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इस दौरान उन्हें कार्यालय में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचित कराया गया तथा विभिन्न पटल पर संपादित किए जाने वाले शासकीय कार्यों की जानकारी दी गई। पदभार ग्रहण करने के उपरांत उन्हें माध्यमिक शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण कार्यालयी प्रक्रियाओं एवं शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया। इस अवसर पर छात्रा को प्रोजेक्ट अलंकार, समग्र शिक्षा अभियान, मिशन शक्ति, आईजीआरएस (जनसुनवाई प्रणाली), बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों तथा विद्यालयों की मान्यता से संबंधित नियमों एवं नीतियों की जानकारी दी गई। इस पहल के माध्यम से छात्रा को प्रशासनिक कार्यप्रणाली को समझने तथा सरकारी व्यवस्थाओं के प्रति जागरूक होने का अवसर प्राप्त हुआ। वर्तमान जिला विद्यालय निरीक्षक शतानन्द शर्मा ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं में निहित नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना तथा उन्हें प्रशासनिक व्यवस्थाओं से परिचित कराना है। इससे बालिकाओं को भविष्य में अपने लक्ष्य निर्धारित करने और समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने की प्रेरणा मिलेगी। एक दिन की जिला विद्यालय निरीक्षक बनकर कु0 वंशिका ने उत्साह व्यक्त किया तथा इस गौरवपूर्ण अवसर के लिए प्रशासन का आभार जताया। मिशन शक्ति के अंतर्गत आयोजित यह पहल बालिकाओं के सशक्तीकरण, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

पत्रकारों को डिटेन किए जाने के विरोध में राष्ट्रपति को ज्ञापन, पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति ने दिल्ली की घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करने का मुद्दा उठाया

भारत में पत्रकार आयोग का गठन कर पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग



बिजनौर (सब का सपना):- दिल्ली में समाचार कवरेज कर रहे पत्रकारों को पुलिस द्वारा डिटेन किए जाने की घटना के विरोध में अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति, जनपद बिजनौर ने कड़ा विरोध जताते हुए राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा है। समिति ने घटना की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराए जाने, जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने तथा देशभर में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू किए जाने की मांग की है। डीएम की ओर से ज्ञापन लेने के लिए बाल इंदिरा भवन में विजय कुमार नायब तहसीलदार सदर को भेजा गया। समिति के जिलाध्यक्ष हाशिम अहमद ने ज्ञापन में कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। पत्रकार जनहित से जुड़े मुद्दों को जनता के सामने लाने के साथ ही आम नागरिकों की आवाज शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। ऐसे में समाचार संकलन और कवरेज के दौरान पत्रकारों को उनके कर्तव्यों के निर्वहन से रोकना प्रेस की स्वतंत्रता तथा लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़े गंभीर सवाल खड़े करता है। ज्ञापन में कहा गया कि मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। पत्रकारों की स्वतंत्रता केवल मीडिया जगत का विषय नहीं, बल्कि आम जनता के सूचना पाने के अधिकार से भी जुड़ी है। कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का दायित्व है, लेकिन किसी भी पत्रकार के विरुद्ध कार्रवाई कानून के अनुरूप और उचित आधार पर होनी चाहिए। यदि संबंधित मामले में किसी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा नियमों का उल्लंघन अथवा अधिकारों का दुरुपयोग किया गया है, तो निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जानी चाहिए। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति ने राष्ट्रपति से दिल्ली की घटना की उच्चस्तरीय जांच कराने, दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने, समाचार कवरेज के दौरान पत्रकारों के काम में अनावश्यक हस्तक्षेप पर रोक लगाने तथा पत्रकारों की शिकायतों के निस्तारण के लिए स्वतंत्र एवं प्रभावी राष्ट्रीय पत्रकार आयोग गठित करने की मांग की है। इसके अतिरिक्त देशभर में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने, उत्पीड़न, धमकी और हिंसा की शिकायतों पर त्वरित सुनवाई की व्यवस्था बनाने तथा पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के लिए पत्रकारों के अधिकारों से संबंधित स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने की मांग भी उठाई गई है। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया कि समिति का उद्देश्य कानून-व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करना नहीं, बल्कि कानून के दायरे में पत्रकारिता की स्वतंत्रता और पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित कराना है।

समिति ने संबंधित घटना की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई करने की अपील की है, ताकि पत्रकार बिना भय और दबाव के अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें। इस अवसर पर जहीर अहमद, जुबैर खान, फैसल खान, फैजान खान, अशरफ अली, अल्ताफ रजा, शाही अराफात सैफी, संजय अग्रवाल, नमित सिंघल, मनोज शर्मा, मोहम्मद सुहैल राजू, नौशाद सैफी, झालू से इम्तियाज अली, मास्टर असलम आदि मौजूद रहे।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत मनाया कन्या जन्मोत्सव, 15 नवजात बेटियों के परिवारों को बांटी बेबी किट

बेटियों के जन्म पर उत्सव मनाने और समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने का दिया संदेश



बिजनौर (सब का सपना):- प्रदेश सरकार की ओर से महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 के विशेष द्वितीय चरण के अंतर्गत महिला कल्याण विभाग बिजनौर की ओर से महात्मा विदुर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं जिला अस्पताल में कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अस्पताल में जन्मी 15 नवजात कन्याओं के परिवारों को बेबी किट, कपड़े और विशेष उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य जनक नंदिनी और संगीता जैन ने नवजात बच्चियों को स्नेहाशीष देते हुए उनके स्वस्थ, उज्ज्वल एवं समृद्ध भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि बेटियां समाज का आधार हैं। उनके जन्म पर शोक नहीं, बल्कि उत्सव मनाया जाना चाहिए। आज बेटियां शिक्षा, खेल, विज्ञान सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना, कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथाओं को समाप्त करने के लिए जागरूकता बढ़ाना तथा बालिकाओं के जन्म को उत्सव के रूप में मनाने का संदेश देना रहा। इस अवसर पर महिला कल्याण विभाग की संरक्षण अधिकारी रूबी गुप्ता और चाइल्ड हेल्पलाइन के जिला समन्वयक हिमांशु पाराशर ने उपस्थित महिलाओं एवं परिजनों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, पति की मृत्यु के उपरांत निराश्रित महिला पेंशन योजना, बाल संरक्षण सेवाओं तथा चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 और महिला हेल्पलाइन नंबर 1090 व 112 के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही जरूरत पड़ने पर इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में महात्मा विदुर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय की डॉ. चौधरी ललिता, जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक राजीव द्विवेदी, चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ, महिला कल्याण विभाग के कर्मचारी तथा नवजात बच्चियों के परिजन मौजूद रहे।

कार्यक्रम का समापन बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

चाँदपुर-गजरौला मार्ग पर भीषण सड़क हादसा, अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल



चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जिले के चाँदपुर क्षेत्र अंतर्गत चाँदपुर-गजरौला मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहाँ रामपुर फंदेड़ी के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। इस भयानक दुर्घटना में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकताओं की मदद से तुरंत अस्पताल पहुँचाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस सड़क दुर्घटना में घायल हुए युवक की पहचान रोहित (पुत्र अनिल) निवासी भिडियाखेड़ा के रूप में हुई है। रोहित किसी कार्य से अपनी मोटरसाइकिल द्वारा जा रहे थे, तभी चाँदपुर-गजरौला मार्ग पर रामपुर फंदेड़ी के समीप यह हादसा हुआ।

अज्ञात वाहन की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से लहूलुहान हो गया।

किन्नर हिमांशी के अपहरण, मारपीट और अमानवीय व्यवहार का आरोप, धाराएं बढ़ाने की मांग

एसपी को प्रार्थना-पत्र देकर पीड़िता के बयान दर्ज कराने, एक्स-रे कराने और उचित कानूनी कार्रवाई की गुहार



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नगीना देहात थाना क्षेत्र में एक किन्नर के अपहरण, मारपीट और अमानवीय व्यवहार किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़िता हिमांशी किन्नर के चालक शाहफे आलम ने पुलिस अधीक्षक बिजनौर को प्रार्थना-पत्र देकर दर्ज मुकदमे में उचित धाराओं की बढ़ोतरी कराने तथा पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण और एक्स-रे कराने की मांग की है। पुलिस अधीक्षक को दिए गए प्रार्थना-पत्र के अनुसार, प्रार्थी रानी किन्नर के यहां चालक के रूप में कार्य करता है। आरोप है कि 12 अक्टूबर 2026 को वह हिमांशी किन्नर को लेकर नगीना देहात थाना क्षेत्र के ग्राम हरगनपुर में रामलीला कार्यक्रम में गया था। अगले दिन 13 अक्टूबर की सुबह करीब आठ बजे हिमांशी को रामलीला से वापस लेकर आते समय हैजरपुर के पास कुछ लोगों ने उसकी गाड़ी रोक ली। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए हिमांशी को गाड़ी से खींच लिया और काले रंग की बोलेरो में डालकर ले गए। प्रार्थना-पत्र में आरोप लगाया गया है कि हिमांशी को कस्बा बढ़ापुर के एक कमरे में बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट की गई। उसके बाल काटने, मुंह पर पेशाब करने, बाएं हाथ की हड्डी तोड़ने और गला घोंटकर जान से मारने का प्रयास करने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं। शिकायत में उसके साथ जबरन गलत संबंध बनाए जाने का आरोप भी शामिल है। प्रार्थना-पत्र में बताया गया है कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने दबिश देकर शबनम, चांदनी, सोना और मुस्कान को गिरफ्तार किया तथा हिमांशी को कथित बंधन से मुक्त कराया। शिकायतकर्ता के अनुसार, पुलिस ने पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण कराने के बाद आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की है।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि हिमांशी की हालत खराब है और उसके कूल्हे तथा बाएं हाथ का एक्स-रे भी नहीं कराया गया है। उसने मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़िता के बयान दर्ज कराने, आवश्यक चिकित्सकीय जांच कराने और दर्ज मुकदमे में उचित धाराएं बढ़ाने की मांग की है।प्रार्थी ने पुलिस अधीक्षक से थाना नगीना देहात के प्रभारी को आवश्यक निर्देश देने की गुहार लगाई है। प्रार्थना-पत्र में मुकदमा अपराध संख्या 241/2026 का उल्लेख करते हुए आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

दबंगई की हद रास्ते कब्जाए, खेतों में मोड़ा गंदा पानी

बहादरपुर में ग्रामीणों पर सार्वजनिक रास्ते संकरे करने और नालियां तोड़ने का आरोप



स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- बहादरपुर में कथित दबंगई का ऐसा मामला सामने आया है, जहां सार्वजनिक रास्तों पर कब्जे और जल निकासी से छेड़छाड़ के आरोपों ने ग्रामीण व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्राम पंचायत सत्तोनंगली निवासी कमला देवी पत्नी स्वर्गीय जगबीर सिंह ने एसडीएम धामपुर को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि कुछ ग्रामीणों ने रास्तों पर रपटे बनाकर और सामान रखकर उन्हें संकरा कर दिया है। इतना ही नहीं, नालियां तोड़कर गंदे पानी का रुख उनके खेतों की ओर कर दिया गया, जिससे उनकी फसल बर्बाद होने का खतरा पैदा हो गया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, गांव के चौड़े रास्तों पर कथित अतिक्रमण के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है। आरोप है कि कुछ लोगों ने अपनी सुविधा के अनुसार नालियां तोड़ दीं और गंदे पानी की निकासी बाधित कर दी। परिणामस्वरूप गांव का गंदा पानी उनके खेतों में भर रहा है। कमला देवी का कहना है कि नक्शे के अनुसार पानी की निकासी दूसरी दिशा में बनी पुलिया से होनी चाहिए, लेकिन उस पुलिया को बंद कर दिया गया है। एक ओर सार्वजनिक रास्तों पर कथित कब्जों की शिकायत है, तो दूसरी ओर खेतों में गंदा पानी भरने से फसल को नुकसान की आशंका। कमला देवी ने प्रशासन से मौके की जांच, रास्तों को कब्जामुक्त कराने, बंद पुलिया खुलवाने और जल निकासी बहाल करने की मांग की है। सवाल सीधा है क्या कुछ लोगों की मनमानी के चलते सार्वजनिक रास्तों और किसान की फसल को नुकसान उठाना पड़ेगा? अब एसडीएम धामपुर की जांच और कार्रवाई पर निगाहें टिकी हैं। आरोपों की पुष्टि होने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई जरूरी है।

श्रीराम ने किया शिव धनुष का खंडन, परशुराम संवाद ने मोहा दर्शकों का मन

रामलीला मैदान में धनुष यज्ञ का भव्य मंचन, भगवान श्रीराम के जयकारों से गूंजा पंडाल



स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला में बाहर से आए कलाकारों द्वारा भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े प्रसंगों का सुंदर मंचन किया जा रहा है। इसी क्रम में धनुष यज्ञ और भगवान परशुराम-श्रीराम संवाद का मनमोहक मंचन किया गया। कलाकारों की शानदार प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। रामलीला मंचन के दौरान दिखाया गया कि राजा जनक ने प्रण लिया था कि जो भी भगवान शिव के विशाल धनुष को तोड़ने में सफल होगा, उसी के साथ उनकी पुत्री माता सीता का विवाह किया जाएगा। इसी प्रण के तहत राजा जनक ने स्वयंवर का आयोजन किया, जिसमें दूर-दूर से अनेक राजा-महाराजा पहुंचे। लंकापति रावण ने भी धनुष तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन कोई भी धनुष को हिला तक नहीं सका।इसके बाद गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर भगवान श्रीराम ने शिव धनुष को उठाकर उसका खंडन कर दिया। धनुष टूटते ही स्वयंवर स्थल जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। भगवान श्रीराम द्वारा धनुष तोड़े जाने पर राजा जनक की चिंता दूर हुई और माता सीता के विवाह का मार्ग प्रशस्त हुआ।शिव धनुष के खंडन का समाचार मिलते ही भगवान परशुराम क्रोधित होकर स्वयंवर स्थल पर पहुंचे। वहां उनका भगवान श्रीराम के साथ संवाद हुआ। प्रारंभ में परशुराम ने अत्यंत क्रोध प्रकट किया, लेकिन जब उन्हें भगवान श्रीराम के वास्तविक स्वरूप का ज्ञान हुआ, तो उनका क्रोध शांत हो गया और वे अपने धाम के लिए प्रस्थान कर गए। रामलीला के कलाकारों ने धनुष यज्ञ और परशुराम संवाद का जीवंत मंचन कर दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। रामलीला देखने के लिए नगर के पुरुषों, महिलाओं और बच्चों की भीड़ मौजूद रही। इस अवसर पर रामलीला कमेटी के अध्यक्ष राजवीर सिंह त्यागी, मंच प्रबंधक राजपाल सिंह प्रजापति, सुनील कुमार शर्मा, अमर सिंह वर्मा और महेंद्र कुमार शर्मा सहित कमेटी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

रामलीला के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। रामलीला कमेटी ने शांतिपूर्ण आयोजन में सहयोग देने और अपनी जिम्मेदारी का बेहतर ढंग से निर्वहन करने के लिए पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

शराब के नशे में पति ने तीन तलाक देने के बाद पत्नी को दो दिन बंधक बनाया, रिपोर्ट दज

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- शराब के नशे में पति द्वारा पत्नी के साथ मारपीट कर तीन तलाक देने और इसके बाद उसे कमरे में बंधक बनाने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने थाना नगीना में तहरीर देकर पति पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और अब फोन पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। महिला ने पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय मोहल्ला तारवाला बाग काजी सराय तृतीय निवासी रोजी परवीन पत्नी फखरे आलम पुत्री स्व.अनीस अहमद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी 20 अक्तूबर 2022 को मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार फखरे आलम पुत्र मोहम्मद नवाब निवासी मोहल्ला खान कॉलोनी,मियां साहब की दरगाह के पास, थाना मंडावर से हुई थी।आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद से ही पति शराब पीकर उसके साथ मारपीट और गाली गलौज करता था।साथ ही दहेज को लेकर ताने देता था। रोजी परवीन के अनुसार 24 अगस्त की रात करीब 11 बजे पति शराब के नशे में घर आया और उसके साथ मारपीट करने लगा। विरोध करने पर पति ने तीन बार तलाक बोल दिया। आरोप है कि जब वह दोनों बच्चों के साथ अपने घर नगीना आना चाहती थी तो पति ने उसे कमरे में बंद कर दिया। वह 24 से 26 अगस्त तक बंधक रही। पीड़िता ने बताया कि 26 अगस्त की शाम पति के नशे में सोने के दौरान उसने पड़ोस के बच्चों से कमरे का दरवाजा खुलवाया और वहां से निकलकर नगीना स्थित अपने घर पहुंची।आरोप है कि इसके बाद से पति फोन पर नगीना आकर जान से मारने की धमकी दे रहा है।

ब्लॉक परिसर में रंगोलियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने दिया राष्ट्रप्रेम और सेवा का संदेश





नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- ब्लॉक परिसर नहटौर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शिक्षा विभाग द्वारा रंगोली राष्ट्र के संग, सेवा के रंग राष्ट्र के संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक ओम कुमार ने सहभागिता करते हुए छात्र छात्राओं द्वारा बनाई गई भव्य एवं आकर्षक रंगोलियों का अवलोकन किया। रंगोलियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने राष्ट्रप्रेम, सेवा, समर्पण और राष्ट्रीय चेतना का संदेश दिया। खंड शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र पाल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। रंग-बिरंगी रंगोलियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने राष्ट्रसेवा, सामाजिक जागरूकता और देश के प्रति समर्पण की भावना को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उनकी आकर्षक कलाकृतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर विधायक ओम कुमार ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए शिक्षा विभाग एवं समस्त शिक्षकगण को इस सराहनीय आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के रचनात्मक कार्यक्रम विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, सेवा भाव और सकारात्मक सोच विकसित करने के साथ-साथ उनकी कलात्मक प्रतिभा को निखारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों के उत्साह और रचनात्मकता ने आयोजन को विशेष बना दिया। रंगोलियों के माध्यम से दिया गया राष्ट्रसेवा और सामाजिक जागरूकता का संदेश उपस्थित लोगों के लिए प्रेरणादायक रहा। इस अवसर पर शोमा रानी, ब्लॉक प्रमुख राकेश चौधरी, खंड विकास अधिकारी प्रताप सिंह, सुधा देवी, रोहित त्यागी, बलवंत (बीडीसी), कमल कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सेंट मैरी में हुआ मिशन शक्ति का कार्यक्रम





नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना नगीना पुलिस द्वारा सेंट मैरी स्कूल में मिशन शक्ति एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा, सम्मान एवं साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया।

मिशन शक्ति एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के दौरान छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर बुलिंग, फिशिंग, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा व्यक्तिगत जानकारी, पासवर्ड एवं ओटीपी साझा करने से होने वाले संभावित खतरों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई, साथ ही संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने, अनजान व्यक्तियों के साथ निजी जानकारी साझा न करने तथा किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त महिला सुरक्षा एवं आपातकालीन सहायता के लिए उपलब्ध हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए छात्र-छात्राओं को किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न अथवा असुरक्षा की स्थिति में बिना किसी संकोच के पुलिस से सहायता लेने के लिए जागरूक करते हुए महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर 1090 वूमेन पावर, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन व 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन की मुख्य रूप से जानकारी दी गई। नगीना सहित पूरे जिले की पुलिस द्वारा मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान तथा जागरूकता सुनिश्चित करने और साइबर अपराधों के प्रति आमजन को सजग बनाने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

6 सब का सपना
हिंदी दैनिक
फतेहपुर/बुलंदशहर
अमरोहा
शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026
www.sabkasapna.com

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए कार्यशाला का आयोजन

किसानों को बताए गए जैविक एवं प्राकृतिक खेती के लाभ

शामली (सब का सपना):- जनपद शामली मे कृषि विभाग के द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र जलालपुर पर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, किसानों को रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के विकल्पों के प्रति जागरूक करने तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के उद्देश्य से प्राकृतिक खेती विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में वैज्ञानिक डा अजय कुमार यादव ने किसानों को प्राकृतिक खेती की अवधारणा, उसके महत्व एवं उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विशेषज्ञ ने बताया कि प्राकृतिक खेती अपनाकर खेती की लागत को कम करने, मृदा की उर्वरता बनाए रखने, जल एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने तथा गुणवत्तापूर्ण कृषि



उत्पादों के उत्पादन में सहायता मिल सकती है। कार्यशाला के दौरान किसानों को जीवामृत, बीजामृत, आच्छादन (मल्चिंग), मिश्रित खेती तथा फसल विविधीकरण जैसी प्राकृतिक खेती की प्रमुख विधियों की जानकारी दी गई। साथ ही, किसानों को स्थानीय संसाधनों का उपयोग करते हुए खेती को अधिक टिकाऊ एवं लाभकारी बनाने के लिए प्रेरित किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी डा सन्दीप चौधरी ने कहा कि वर्तमान समय में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। इससे कृषि भूमि के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में सकारात्मक प्रयास किए जा सकते हैं। कार्यशाला में उपस्थित किसानों ने प्राकृतिक खेती की तकनीकों को अपनाने में रुचि दिखाई तथा विशेषज्ञों से खेती से संबंधित विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की। सहायक विकास अधिकारी कृषि सत्येंद्र कुमार सिंह ने किसानों से अपील की गई कि वे प्राकृतिक खेती की पद्धतियों को अपनाकर कृषि को पर्यावरण के अनुकूल, टिकाऊ एवं लाभकारी बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। इस मौके पर प्राकृतिक खेती कल्स्टर के सी आर पी, कृषि सखिया, किसान, सहायक विकास अधिकारी जयदेव उपाध्याय, प्रज्ञा चौधरी, शिवकुमार सिरोहा, अर्जुन सिंह, सुमित लाठियान, ब्रिजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

मिशन शक्ति फेज-6 के तहत साइबर ठगी और महिला सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

सनराइज ग्लोबल स्कूल मानपुर में थाना अगौता पुलिस का विशेष जागरूकता कार्यक्रम, हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

अगौता/बुलंदशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश पुलिस के मिशन शक्ति फेज-6.0 अभियान के तहत थाना अगौता पुलिस ने सनराइज ग्लोबल स्कूल, मानपुर में विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर साइबर फ्रॉड और महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक संजेश कुमार व मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं, बालिकाओं और आमजन से सतर्क रहने तथा साइबर अपराधों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां अपनाने की अपील की। पुलिस टीम ने बताया कि डिजिटल दौर में इंटरनेट और स्मार्टफोन हमारी जरूरत बन चुके हैं, लेकिन थोड़ी सी लापरवाही लोगों



की गाढ़ी कमाई और निजी सुरक्षा को खतरे में डाल सकती है। साइबर ठग नए-नए तरीकों से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। ऐसे में किसी के साथ ओटीपी, एटीएम पिन और पासवर्ड साझा न करें। अनजान लिंक, लुभावने ऑफर, लॉटरी तथा संदिग्ध एपीके फाइल पर क्लिक करने से बचें। फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर निजी जानकारी, फोटो व बैंक संबंधी विवरण सार्वजनिक न करें। पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के प्रति भी सतर्क करते हुए बताया कि यदि कोई वीडियो कॉल पर पुलिस या सीबीआई अधिकारी बनकर डराता है अथवा रुपये मांगता है, तो घबराएं नहीं। यह साइबर ठगी का तरीका हो सकता है। ऐसे मामलों में किसी को पैसे न दें और तुरंत पुलिस से संपर्क करें। कार्यक्रम में आपातकालीन सहायता के लिए 1930 साइबर वित्तीय धोखाधड़ी हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन पुलिस सेवा, 1090 वीमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन और 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल नजदीकी थाना अगौता या पुलिस को दें। टीम ने कहा कि सतर्कता ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है।

किशोरी से छेड़छाड़ का आरोप, मीट दुकानदार दुकान बंद कर फरार

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के एक मोहल्ला निवासी व्यक्ति ने थाने में तहरीर देकर मीट की दुकान संचालक पर अपनी नाबालिग किशोरी के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद से दुकानदार दुकान बंद कर मौके से फरार बताया जा रहा है। पुलिस ने तहरीर मिलने के बाद मामले की जांच शुरू करने की बात कही है।तहरीर के अनुसार,बुधवार दोपहर किशोरी घर के पास स्थित मीट की दुकान पर मीट लेने गई थी। आरोप है कि इसी दौरान दुकानदार ने किशोरी के साथ छेड़छाड़ की। किशोरी घर पहुंची और उसने परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिवार के लोगों ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी।परिजनों के अनुसार,घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं घटना के बाद दुकानदार अपनी दुकान बंद कर वहां से चला गया।देर शाम तक वह दुकान पर नहीं पहुंचा।थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि मामले में तहरीर प्राप्त हुई है।पुलिस द्वारा मामले की जांच कराई जा रही है। जांच में आरोप सही पाए जाने पर आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।जबकि मोहल्ले के लोगों का कहना है कि दुकानदार इस स्वभाव का नहीं है,कही कोई भ्रम हुआ है जिसके चलते उस पर इस प्रकार का आरोप लगा है।

असोथर थाने में मिशन शक्ति की अनूठी पहल, कक्षा-7 की सोनम बनीं एक दिन की थानेदार

फतेहपुर (सब का सपना):- असोथर महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिशन शक्ति 6.0 अभियान के तहत थाना असोथर में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गुरुवार को आयोजित इस कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की छात्राओं को थाने में आमंत्रित कर महिला सुरक्षा और पुलिस की कार्यप्रणाली से रूबरू कराया गया।एक दिन की थाना प्रभारी बनीं सोनम कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण तब रहा जब कक्षा-7 की छात्रा सोनम को एक दिन के लिए थाना प्रभारी बनाया गया। थानेदार की कुर्सी संभालते हुए सोनम ने



जनसुनवाई की, शिकायतें सुनीं और पुलिस की जिम्मेदारियों को करीब से समझा। पुलिस का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्राओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना है।साइबर अपराधों से बचाव की दी जानकारी कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के लिए साइबर सुरक्षा कार्यशाला भी आयोजित की गई। मिशन शक्ति और साइबर टीम ने ऑनलाइन धोखाधड़ी, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग और इंटरनेट पर बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया।
लाइव वीडियो के माध्यम से छात्राओं को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के तरीके समझाए गए।इसके साथ ही पुलिस टीम ने थाने में स्थापित महिला हेल्प डेस्क के बारे में जानकारी दी और बताया कि महिलाएं और बालिकाएं अपनी शिकायतें यहां दर्ज करा सकती हैं। छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए करियर गाइडेंस भी दिया गया।इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक राजीव मिश्रा, मिशन शक्ति प्रभारी उप निरीक्षक अंकित सिंह, महिला आरक्षी कंचन पाठक, रुचि राय, मनु लक्ष्मी, रूपा सरोज सहित विद्यालय की शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

फाइनेंस कार्यालय पर एसओजी की छापेमारी, कई युवकों से पूछताछ

किस्त बकाया वाहनों को रोककर रुपये वसूलने के आरोप, पुलिस जांच में जुटी

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगीना-धामपुर मार्ग स्थित एक फाइनेंस कार्यालय पर मंगलवार दोपहर बाद एसओजी की टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान टीम कुछ युवकों को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई। वहीं, मामले से जुड़े आरोपों के संबंध में नगर के एक युवक को नगीना पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, संबंधित फाइनेंस कार्यालय में काम करने वाले कुछ युवकों पर आरोप है कि वे नगीना-धामपुर मार्ग से गुजरने वाले ऐसे वाहन चालकों को रोकते थे, जिनकी किस्तें समय पर जमा नहीं हुई थीं। आरोप है कि वाहन रोकने के बाद किस्त जमा कराने के नाम पर वाहन चालकों से रुपये लिए जाते थे। इसके बाद उन्हें जाने दिया जाता था। बताया जा रहा है कि कथित तौर पर इन युवकों की नजर ऐसे वाहनों पर रहती थी, जिनकी किस्तें बकाया थीं।
बताया जाता है कि मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई तक पहुंचने के बाद एसओजी की टीम सक्रिय हुई। मंगलवार को टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ संबंधित फाइनेंस कार्यालय पर छापेमारी कर जांच-पड़ताल की। इस दौरान कुछ युवकों को पूछताछ के लिए अपने साथ ले जाया गया। इसके अलावा एक युवक को नगीना पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। फिलहाल मामले में शामिल लोगों की संख्या, कथित वसूली की अवधि और छापेमारी के दौरान पूछताछ के लिए ले जाए गए युवकों की सही संख्या के बारे में आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस की जांच और पूछताछ पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सीताराम हत्याकांड में सुराग देने वाले को 25 हजार का इनाम

घटनास्थल से बरामद लाल गमछा, काली चप्पल और तंबाकू की पहचान कराने के लिए पुलिस ने जारी की अपील

असोथर/फतेहपुर (सब का सपना):- असोथर थाना क्षेत्र के गड़रियन डेरा मजरे सातोंपीत गांव में किसान सीताराम पाल की हत्या के मामले में पुलिस ने आमजन से सहयोग की अपील की है। घटनास्थल के आसपास से बरामद संदिग्ध वस्तुओं की पहचान कराने और हत्यारोपित तक पहुंचने के लिए पुलिस ने सूचना देने वाले को 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। पुलिस के अनुसार, 11 अक्तूबर 2026 की रात अज्ञात व्यक्ति ने करीब 63 वर्षीय सीताराम पाल की गोली मारकर हत्या कर दी थी। वह अपने घर से करीब 150 मीटर दूर खेत के पास स्थित मुर्गी फार्म में सो रहे थे। अगले दिन उनका शव मिला था। घटनास्थल के आसपास तलाशी के दौरान पुलिस को एक लाल रंग का गमछा, वॉकरू (WALKAROO) लिखा हुआ एक काला चप्पल और गमछे में बंधी कुछ पत्ती वाली तंबाकू



बरामद हुई थी। पुलिस को आशंका है कि ये वस्तुएं संदिग्ध व्यक्ति से संबंधित हो सकती हैं। इनकी पहचान के आधार पर हत्याकांड की जांच में मदद मिलने की उम्मीद है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को इन वस्तुओं के संबंध में जानकारी हो या वह इनके मालिक को पहचानता हो, तो वह पुलिस को सूचित करे। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक की ओर से सूचना देने वाले को 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि हत्याकांड से जुड़ी कोई भी जानकारी होने पर तत्काल दिए गए नंबरों पर सूचना दें, ताकि आरोपित की पहचान कर उसे गिरफ्तार करने में मदद मिल सके।

डीएम और एसपी ने किया PET परीक्षा केंद्र का निरीक्षण, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण परीक्षा के दिए निर्देश





फतेहपुर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (PET) को सकुशल, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में आज जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने जनपद के परीक्षा केंद्र पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज, फतेहपुर का भ्रमण कर निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने परीक्षा कक्षों, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी, प्रवेश व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही ड्यूटी पर तैनात, अधिकारियों-कर्मचारियों को परीक्षा को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।डीएम ने कहा कि परीक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, वहीं एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कड़े निर्देश दिए।

निष्पक्ष लेखनी और एकजुटता से मजबूत होगा पत्रकार:- ठा. विजय राघव



बुलंदशहर (सब का सपना):- ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक बुधवार को जिला कार्यालय पर आयोजित की गई। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्रनाथ के निदेर्शानुसार जिला कार्यालय पर आयोजित हुई बैठक की अध्यक्षता संगठन के जिलाध्यक्ष ठा. विजय राघव ने कि, बैठक में जनपद व तहसीलों के पत्रकारों ने भाग लिया। सभी पत्रकारों ने एक स्वर में आवाज बुलंद करते हुए पत्रकारिता के क्षेत्र में आ रही समस्याओं और चुनौतियों के खिलाफ आवाज उठाते हुए पत्रकारों की सुरक्षा,सम्मान,न्याय पत्रकारिता के अधिकारों की सरकार से मांग उठाई। जिलाध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा पत्रकार अपनी कलम की ताकत को पहचाने और एकजुट होकर उठाएं अपनी आवाज पत्रकारिता समाज की आवाज बुलंद करने का सशक्त मध्यम है मंडल अध्यक्ष संजय गोयल ने कहा आपसी एकजुटता से ही संगठन को नयी ऊंचाई दी जा सकती है इस दौरान कई पत्रकारों ने अपने विचार सांझा किया बैठक का संचालन संगठन के वरिष्ठ महामंत्री सुरेंद्र सिंह भाटी ने किया। इस अवसर पर प्रदीप तोमर, योगेंद्र शर्मा, ललित शर्मा, सरताज बेग,इलियास अली ,सचिन अग्रवाल, चंद्रपाल सिंह, केशव वर्मा, सचिन लोधी, नितिन सोनी बॉबी लाल, लोकेंद्र राज सहित दर्जन भर पत्रकार मौजूद रहे।

IDBI बैंक के निजीकरण के विरोध में बैंक कर्मचारी-अधिकारी लामबंद, सरकार को देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

नई दिल्ली (सब का सपना):- लाभ में चल रहे सरकारी बैंक को निजी हाथों में सौंपने के फैसले पर उठे सवाल, कर्मचारी संगठनों ने फैसले को तत्काल वापस लेने की मांग की । केंद्र सरकार द्वारा IDBI बैंक के निजीकरण की दिशा में उठाए गए कदम को लेकर बैंकिंग क्षेत्र में विरोध के स्वर तेज होने लगे हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद बैंक के प्रस्तावित विनिवेश को लेकर आर्थिक जगत में चर्चा तेज हो गई है। बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी संगठनों ने सरकार के इस फैसले पर कड़ा विरोध जताते हुए इसे सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकिंग व्यवस्था और कर्मचारियों के भविष्य के लिए चिंताजनक बताया है। बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी संगठनों का कहना है कि एक ओर केंद्र सरकार देशवासियों से स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का आह्वान करती है, वहीं दूसरी ओर देश के महत्वपूर्ण सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक को निजी हाथों में सौंपने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं।



संगठनों ने सवाल उठाया है कि जब IDBI बैंक लगातार पांच वर्षों से लाभ अर्जित कर रहा है और सरकार को लाभांश भी दे रहा है, तो ऐसे संस्थान के निजीकरण की आवश्यकता क्यों है? बैंक कर्मचारी संगठनों के अनुसार, IDBI बैंक देश की आर्थिक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण संस्थान है। बैंक के लगातार लाभ में रहने के बावजूद इसके निजीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाना कई सवाल खड़े करता है। उनका मानना है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का उद्देश्य केवल लाभ कमाना नहीं, बल्कि आम नागरिकों, किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों और समाज के कमजोर वर्गों तक बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाना भी है। कर्मचारी संगठनों ने आशंका जताई है कि बैंक के निजी हाथों में जाने से कर्मचारियों की सेवा शर्तों, रोजगार की सुरक्षा और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इससे बैंक में कार्यरत कर्मचारियों के साथ-साथ उन पर आश्रित परिवारों की आजीविका और भविष्य को लेकर भी अनिश्चितता बढ़ गई है । IDBI बैंक के विनिवेश को लेकर कनाडाई मूल के भारतीय कारोबारी प्रेम वत्स से जुड़ी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स की संभावित भूमिका भी



चर्चा में है। इस संबंध में विनिवेश की मौजूदा स्थिति, खरीदार की हिस्सेदारी और लेन-देन की शर्तों की आधिकारिक पुष्टि के आधार पर ही अंतिम स्थिति स्पष्ट होगी। बैंक कर्मचारी संगठनों ने सार्वजनिक क्षेत्र के इस महत्वपूर्ण वित्तीय संस्थान के स्वामित्व में बदलाव को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है। फैसला वापस नहीं हुआ तो कर्मचारी और उनके परिवार देशव्यापी आंदोलन करेंगे । बैंक यूनियन के अध्यक्ष सौरव कुमार और महासचिव विट्ठल कोटेश्वर राव ने इस फैसले का विरोध करते हुए सरकार से इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है। संगठन की ओर से चेतावनी दी गई है कि यदि सरकार उनकी मांग पर विचार नहीं करती है, तो बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होंगे। विरोध को व्यापक रूप देने के लिए अनिश्चितकालीन देशव्यापी हड़ताल और आंदोलन का विकल्प भी अपनाया जा सकता है। संगठन का कहना है कि कर्मचारी अपने रोजगार, सेवा सुरक्षा और सार्वजनिक बैंकिंग व्यवस्था की रक्षा के लिए संघर्ष करेंगे। जरूरत पड़ने पर कर्मचारी अपने परिवारों के साथ भी विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। IDBI बैंक के प्रस्तावित निजीकरण का मुद्दा अब केवल एक बैंक के स्वामित्व में बदलाव तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की भूमिका, आर्थिक नीतियों और रोजगार सुरक्षा से भी जुड़ गया है। बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी संगठनों ने सरकार से मांग की है कि वह इस फैसले पर पुनर्विचार करे और देश की जनता तथा बैंक कर्मचारियों के हितों को प्राथमिकता दे। अब देखना होगा कि केंद्र सरकार बैंक कर्मचारी संगठनों की मांगों पर क्या रुख अपनाती है और IDBI बैंक के विनिवेश को लेकर आगे क्या निर्णय लिया जाता है। विरोध दर्ज करने वालों में कर्मचारी यूनियन यूनिट से राजकुमार सिंह,कपिल सिंगला,माधुरी कुमारी, राहुल, गगन यादव,लालतेन्दु केशरी, जयकला, फनीन्द्र, पीयूष मौर्य, राजीव श्रीवास्तव, रमेश चंद्र यादव,शलभ सोनकर, विपिन जयसवाल,आजाद बहादुर सिंह, दीपक सिंह आदि ।

अनुशासन के नाम पर छात्र को थप्पड़ मारना शिक्षक को पड़ा भारी, रास्ते में घेरकर पीटा



जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- कक्षा में अनुशासनहीनता पर छात्र को थप्पड़ मारने से नाराज छात्र ने साथियों के साथ मिलकर शिक्षक पर हमला कर दिया। गुरुवार सुबह अनूपशहर बस स्टैंड के पास हुई मारपीट में शिक्षक अनुज कुमार घायल हो गए। उन्हें स्थानीय अस्पताल से बुलंदशहर रेफर किया गया। पुलिस के अनुसार, तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

गुमसानी गांव में 65 लाख रुपये मूल्य की कीमती ग्राम समाज भूमि अतिक्रमण मुक्त



एसडीएम कोर्ट के आदेश पर निरस्त हुए अवैध नाम

सम्भल (सब का सपना):-जिले के तहसील सम्भल अंतर्गत ग्राम गुमसानी में शासकीय एवं ग्राम समाज की संपत्ति को कब्जा मुक्त कराने के उद्देश्य से राजस्व विभाग द्वारा एक बड़ी और प्रभावी कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के दिशा-निर्देशों तथा उप जिलाधिकारी सम्भल विकास चन्द्र के मार्गदर्शन में राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर लगभग 65 लाख रुपये बाजार मूल्य की कीमती ग्राम समाज की भूमि को पूरी तरह से कब्जामुक्त कराते हुए अपने नियंत्रण में ले लिया है। यह पूरी कार्रवाई उप जिलाधिकारी न्यायिक सम्भल नीरज कुमार द्विवेदी द्वारा सात अक्टूबर को दिए गए अदालती आदेश के अनुपालन में की गई है। मामला ग्राम गुमसानी स्थित आराजी गाटा संख्या 517 से जुड़ा है, जिसका कुल क्षेत्रफल 0.7360 हेक्टेयर है। एसडीएम न्यायिक न्यायालय ने सुनवाई के उपरांत उक्त गाटा संख्या पर दर्ज संबंधित व्यक्तियों के नामों को निरस्त करने तथा भूमि को उसकी मूल श्रेणी-5 कृषि योग्य भूमि नई परती में पुनर्स्थापित कर ग्राम समाज के खाते में दर्ज करने का स्पष्ट आदेश जारी किया था। अदालती आदेश का पालन कराने के लिए नायब तहसीलदार अरविंद सिंह के नेतृत्व में राजस्व अधिकारियों एवं कर्मियों की टीम गांव गुमसानी पहुंची। टीम ने स्थल पर पहुंचकर विधि-विधान और नियमानुसार भूमि पर शासकीय कब्जा प्राप्त किया। इसके साथ ही राजस्व अभिलेखों खतौनी में पूर्व में दर्ज अवैध व्यक्तियों के नाम खारिज कर दिए गए और भूमि को पुनः ग्राम समाज के खाते में दर्ज करने की प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी की गई। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार जिले भर में सरकारी सार्वजनिक और ग्राम समाज की जमीनों पर किए गए अवैध कब्जों को चिह्नित कर उन्हें मुक्त कराने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। राजस्व विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी इस प्रकार की जमीनों को अतिक्रमण मुक्त कराकर उनके मूल स्वरूप में राजस्व अभिलेखों में दर्ज करने की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

491 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण के साथ पांच दिव्यांगों को मिली ट्राई साइकिल

माँ दुर्गा पूजा कमेटी अमौली ने कराया बहुउद्देशीय सेवा शिविर का आयोजन

अमौली/फतेहपुर (सब का सपना):- शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर माँ दुर्गा पूजा कमेटी अमौली द्वारा संचालित 21वीं दुर्गा पूजा एवं माँ भगवती के भव्य श्रृंगार कार्यक्रम में आज विशाल बहुउद्देशीय सेवा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जहानाबाद विधानसभा के विधायक राजेंद्र सिंह पटेल ने माँ के दरबार में पूजन-अर्चन कर किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमौली के के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने विभिन्न प्रकार के रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें जाँच एवं दवाइयाँ निःशुल्क उपलब्ध कराईं। इस दौरान दुर्गा पूजा प्रांगण में दर्जन भर विभागों ने अपने स्टॉल लगाए, जहाँ 491 रोगियों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाइयाँ वितरित



की गईं, वहीं 5 दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल वितरित की गई। वहीं कृषि विभाग के अफसरों द्वारा स्टॉल लगाकर किसान सम्मान निधि, मृदा परीक्षण एवं निःशुल्क बीज वितरण संबंधी सुविधाएँ किसानों को उपलब्ध कराई गईं। तो समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों द्वारा वृद्धा, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन के लाभार्थियों की परेशानियों को दूर किया गया। साथ ही पशुपालन, बेसिक शिक्षा विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, स्वयं सहायता समूह तथा दस अन्य विभागों के



अधिकारियों ने लोगों को महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं। जहानाबाद विधायक ने उपस्थित समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि माँ दुर्गा पूजा कमेटी अमौली की यह मुहिम जन हितकारी है, और ऐसी सोच के कारण ही हम सब इस जन कल्याणकारी पहल का हिस्सा बने हैं। कमेटी के पदाधिकारियों एवं संरक्षक अरुण कुमार मिश्रा के नेतृत्व में विधायक, सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का भव्य स्वागत कर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया। संचालक एवं संस्था के मंत्री उमेश कुमार त्रिवेदी ने उपस्थित अतिथियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सहयोग हेतु आभार जताया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से खंड विकास अधिकारी सुरेश कुमार शिवहरे, खंड शिक्षा अधिकारी ज्ञान प्रकाश अवस्थी, सीडीपीओ अजय सिंह, एडीओ समाज कल्याण सचिन उत्तम एवं समस्त एडीओ सहित शुभा मिश्रा, चंद्रकांती, आरती त्रिवेदी, आद्या त्रिवेदी, रवि ओमर, मुकेश ओमर, राजा राम ओमर, अखिलेश ओमर, दीपक ओमर, अभिषेक राठौर, आर्य कुमार पांडेय, सतीश वर्मा, रिभू मिश्रा, रजत प्रताप सिंह, कुलदीप तिवारी, ऋषभ ओमर, सौम्य ओमर, यश ओमर सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कर-करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप शत-प्रतिशत राजस्व वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली के लिए बेहतर कार्ययोजना बनाकर प्रभावी कार्रवाई की जाए, ताकि निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित हो सके। जिलाधिकारी ने भू-राजस्व, परिवहन, स्टांप, आबकारी, खनिज, नगर निकाय, गन्ना, वाणिज्य कर, मंडी, सिंचाई, वाहन कर, बांट-माप, बैंक, विद्युत सहित विभिन्न विभागों की लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभाग निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप



प्रगति सुनिश्चित करें। उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि आरसी की शत-प्रतिशत वसूली कराई जाए तथा तहसीलदार वसूली कार्यों पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को राजस्व वादों का दायरे के अनुसार निस्तारण सुनिश्चित करने तथा पुराने वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। सभी तहसीलदारों को समय-सीमा निर्धारित कर आरसी का मिलान करने, विसंगतियों को दूर करने तथा प्रभावी वसूली सुनिश्चित करने के लिए कहा। खनन विभाग की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष कम राजस्व प्राप्ति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला टास्क फोर्स को सक्रिय रहकर कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा सभी 13 चेक पोस्ट को सक्रिय रखते हुए प्रभावी निगरानी एवं जांच करने के निर्देश दिए, ताकि अवैध खनन पर अंकुश लगाने के साथ ही राजस्व वसूली में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके। जिलाधिकारी ने कम राजस्व वसूली करने वाले विभागों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि लक्ष्य के सापेक्ष विशेष अभियान चलाकर वसूली की जाए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को प्रवर्तन कार्य प्रभावी ढंग से संपादित करने तथा अधिक से अधिक राजस्व प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप सिंह, समस्त उप जिलाधिकारी, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

केवट संवाद एवं दशरथ मरण लीला का सुंदर मंचन



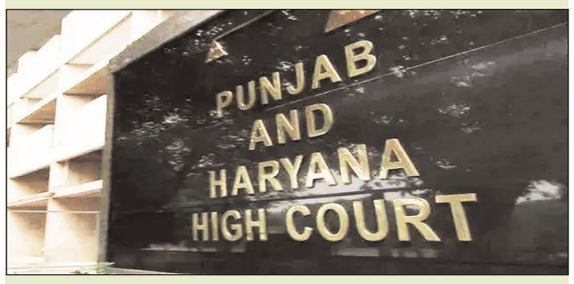
गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- श्री रामलीला समिति के तत्वाधान में चल रहे 73वें रामलीला महोत्सव के अंतर्गत बीती रात केवट संवाद एवं दशरथ मरण लीला का सुंदर मंचन किया गया। इससे पूर्व नगर में श्रीराम वनवास शोभायात्रा निकाली गई। श्री राम वनवास शोभायात्रा का शुभारंभ पूर्व विधायक विमला सोलंकी ने भगवान श्री राम की आरती उतार कर किया। लीला में दिखाया गया कि वनवास के दौरान जब प्रभु श्रीराम ने गंगा पार जाने के लिए केवट से नाव तैयार करने को कहा, तो उसने पहले उनके चरण धोने की शर्त रख दी। केवट ने कहा कि प्रभु के चरणों की धूल के प्रभाव से पत्थर की शिला सुंदर स्त्री अहिल्या बन गई थीं। ऐसे में उसे डर है कि कहीं उसकी लकड़ी की नाव भी सुंदर स्त्री बन गई, तो वह अपने परिवार का पालन-पोषण कैसे करेगा। केवट की भोली बात सुनकर प्रभु श्रीराम मुस्कुराए। इसके बाद केवट ने श्रद्धापूर्वक उनके चरण धोए और चरणामृत ग्रहण किया। राम और केवट के इस निश्छल प्रेम के प्रसंग ने श्रद्धालुओं को भावुक कर दिया। गंगा पार करने के बाद श्रीराम महर्षि भरद्वाज के आश्रम पहुंचे और उनका आशीर्वाद लिया। रामलीला में अयोध्या में राजा दशरथ के निधन का शोकपूर्ण प्रसंग भी मंचित किया गया। इस दृश्य ने दर्शकों को भावुक कर दिया।

पंजाब बंद के चलते लुधियाना में बस सेवा ठप, रास्ते में ही रोक दी गईं बसें; दिनभर परेशान रहे यात्री



लुधियाना। पंजाब बंद के चलते वीरवार को लुधियाना बस स्टैंड से चलने वाली पंजाब रोडवेज, पीआरटीसी और निजी बसों का संचालन दोपहर बाद प्रभावित हो गया। सुरक्षा कारणों के चलते बसों को विभिन्न रूटों पर रोक दिया गया। सुबह के समय बसें सामान्य रूप से चलीं, लेकिन दोपहर होते-होते कई रूटों पर बस सेवा बंद कर दी गई। बताया जा रहा है कि बंद के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए कई स्थानों पर बसों को रास्ते में ही रोक दिया गया। इसके बाद लुधियाना बस डिपो से भी बसों को आगे भेजने में एहतियात बरती गई। दोपहर बाद बस स्टैंड से पंजाब रोडवेज, पीआरटीसी और निजी बसें नहीं चल सकीं। इससे बस स्टैंड पहुंचे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई यात्री वापस लौट गए, जबकि कुछ शाम पांच बजे के बाद बंद खुलने और बस सेवा बहाल होने का इंतजार करते रहे। बसों का संचालन प्रभावित होने से यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी हुई।

अमृतसर बीआरटीएस बंद करने पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट सख्त, 600 करोड़ के खर्च पर सरकार से मांगा जवाब



चंडीगढ़। अमृतसर में करीब 600 करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गई बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (बीआरटीएस) परियोजना को बंद करने के प्रस्ताव पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने पंजाब सरकार से परियोजना की मूल रिपोर्ट और इसे बंद करने के समर्थन में तैयार की गई बाद की रिपोर्ट पेश करने को कहा है। हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया आशंका जताई कि परियोजना पर खर्च किए गए सैकड़ों करोड़ रुपये कहीं अनुपयोगी न हो जाएं। अदालत ने सरकार से यह भी स्पष्ट करने को कहा कि करीब 10 वर्ष बाद परियोजना बंद करने की जरूरत क्यों पड़ी और अब इसका क्या विकल्प प्रस्तावित है।मुख्य न्यायाधीश अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति रोहित कपूर की खंडपीठ ने राज्य सरकार के वकील को दोनों रिपोर्ट रिकार्ड पर रखने का निर्देश दिया। अदालत के अनुसार, मूल रिपोर्ट से पता चलेगा कि बीआरटीएस की परिकल्पना किस उद्देश्य से की गई और इसे किस आधार पर मंजूरी मिली। वहीं, बाद की रिपोर्ट से परियोजना बंद करने का प्रस्ताव तैयार करने का आधार स्पष्ट होगा।खंडपीठ ने टिप्पणी की कि पहले की रिपोर्ट के आधार पर खर्च की गई सैकड़ों करोड़ रुपये की राशि अनुपयोगी रह सकती है। इसलिए परियोजना बंद करने के फैसले और उसके आधार की जांच जरूरी है। 600 करोड़ रुपये खर्च से जुड़ा मामला यह मामला अमृतसर विकास मंच की जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आया। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि करीब 600 करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद बीआरटीएस परियोजना को उचित कारण के बिना बंद किया जा रहा है। इससे सरकारी धन की बबार्दी होगी और आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। सुनवाई में बताया गया कि पंजाब सरकार परियोजना बंद करने के प्रस्ताव को फिलहाल स्थगित कर चुकी है। पिछली सुनवाई पर राज्य के महाधिवक्ता ने हाईकोर्ट को यह जानकारी दी थी। अदालत ने फिर भी परियोजना के भविष्य और सार्वजनिक धन के उपयोग पर विस्तृत जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया था कि संबंधित विभाग के सचिव से नीचे के स्तर का अधिकारी नहीं, बल्कि जिम्मेदार अधिकारी हलफनामा दाखिल करे। इसमें बताया जाए कि परियोजना शुरू करते समय क्या योजना बनाई गई थी, इस पर कितना सार्वजनिक धन खर्च हुआ और लगभग एक दशक बाद इसे बंद करने की जरूरत क्यों महसूस हुई। हलफनामे की प्रति अगली सुनवाई से कम से कम 24 घंटे पहले याचिकाकर्ता को देने का भी निर्देश है।

समूह सखियों ने मानदेय बढ़ाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर दिया धरना

मांगें पूरी न होने पर लखनऊ पहुंचकर प्रदर्शन करने की चेतावनी

बिजनौर (सब का सपना):- ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली समूह सखियों ने मानदेय बढ़ाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना दिया। समूह सखियों ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याओं का समाधान कराने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर सुनवाई नहीं हुई तो वे लखनऊ पहुंचकर धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगी। ज्ञापन में समूह सखियों ने बताया कि बिजनौर जिले के सभी ब्लॉकों में वे ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्वयं सहायता समूहों को सुचारु रूप से संचालित करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। समूह सखियों के अनुसार, वे गांवों में महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने के साथ उनके संचालन की



जिम्मेदारी भी संभालती हैं। इसके बावजूद उन्हें वर्तमान में मात्र 2,000 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है, जो महंगाई के दौर में पर्याप्त नहीं है।समूह सखियों ने मांग की कि उनका मानदेय बढ़ाकर 20,000 रुपये प्रतिमाह किया जाए। इसके साथ ही उन्हें स्थायी कर्मचारी का दर्जा देने, स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने तथा लोकॉस पोर्टल पर डिजिटल एंट्री का काम आसान बनाने के लिए स्मार्टफोन या टैबलेट देने की मांग उठाई। ज्ञापन में कहा गया कि काम से संबंधित ऑनलाइन कार्य करने के लिए प्रत्येक माह मोबाइल रिचार्ज का भत्ता दिया जाए। मानदेय का भुगतान सीधे उनके व्यक्तिगत बैंक खातों में प्रत्येक माह समय से सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा कार्य के दौरान दुर्घटना में मृत्यु होने पर पीड़ित परिवार को 2.50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग भी की गई। समूह सखियों ने बताया कि उन्होंने पांच अक्टूबर 2026 को भी अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन दिया था। उस समय उन्हें दस दिन के भीतर सुनवाई का आश्वासन मिलने की बात कही गई थी, लेकिन 15 अक्टूबर तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। इससे नाराज होकर उन्होंने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर धरना दिया।समूह सखियों का कहना है कि ग्रामीण आजीविका मिशन में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। ऐसे में उनकी मेहनत और जिम्मेदारियों को देखते हुए उचित मानदेय, सामाजिक सुरक्षा और कार्य के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र समाधान कराने की अपील की।

गुलावठी देवनागरी महाविद्यालय मे विद्यार्थी प्रेरण कार्यक्रम का आयोजन दीक्षारंभ प्रेक्षागृह मे किया गया



गुलावठी /बुलंदशहर (सब का सपना):- बीए तथा बीएससी के नव प्रवेशी विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम संरचना तथा महाविद्यालय के बारे में औपचारिक परिचय करने हेतु विद्यार्थी प्रेरण कार्यक्रम दीक्षारंभ का आयोजन आज देवनागरी महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में किया गया। इसमें विद्यार्थियों को क्रेडिट सिस्टम, छात्रवृत्ति, पुस्तकालय, अवसंरचना, खेल सुविधाएं, राष्ट्रीय सेवा योजना, कंप्यूटर लैब तथा रोवर्स तथा रेंजर्स तथा अन्य जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संयोजक डॉ पुष्पेंद्र कुमार मिश्र ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रबंध समिति, प्राध्यापक तथा हर क्षेत्र के स्टाफ से परिचय कराया तथा विद्यार्थियों को विभिन्न समितियों के बारे में अवगत कराया। दीक्षारम्भ के अवसर पर द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के माथे पर टीका लगाकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर प्रबंध समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह लौर ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ चरित्र निर्माण करने का संकल्प दिलाया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ महेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों को तीन साल अनुशासन में रहते हुए लगातार नया सीखने की सलाह दी। इस अवसर पर प्रबंध समिति के सचिव सुनील कुमार गोयल तथा अमर सिंह आदि भी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों को प्रो. विनीता गर्ग, संदीप कुमार सिंह, भवनीत सिंह बत्रा तथा कृष्ण कुमार ने संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन पीयूष त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त शैक्षणिक स्टाफ तथा बडी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गुरुजनों और मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

भारत विकास परिषद की शाश्वत शाखा ने आयोजित किया गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- भारत विकास परिषद की शाश्वत शाखा, चंदौसी के तत्वावधान में न्यू सिक्किम अकादमी में गुरु वंदनझछात्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत ह्यवंदे मातरम्ह्ल के सामूहिक गायन के साथ हुआ। इस दौरान विद्यालय के गुरुजनों और मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की गई। कार्यक्रम में शाखा सचिव डॉ. दुर्गा टंडन ने कहा कि गुरु का सम्मान भारतीय



संस्कृति का महत्वपूर्ण संस्कार है, जबकि मेधावी विद्यार्थियों का अभिनंदन देश के उज्ज्वल भविष्य का सम्मान है। गुरु के प्रति श्रद्धा और ज्ञान के प्रति समर्पण ही संस्कारित एवं चरित्रवान समाज की आधारशिला हैं। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में अनुशासन, कृतज्ञता



और गुरुजनों के प्रति आदर का भाव विकसित करते हैं। शाखा अध्यक्ष सचिन गुप्ता ने कहा कि भारत विकास परिषद के सेवा, समर्पण, सहयोग, संस्कार एवं संपर्क के मूल सूत्र समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की प्रेरणा देते हैं। गुरुजनों का सम्मान और विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करना संस्कारित समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर शाखा संयोजक अभिषेक गुप्ता, संपर्क संयोजक गिरींद्र अग्रवाल, पर्यावरण संयोजक पीयूष बंसल और संरक्षक पुनीत चौधरी उपस्थित रहे। सभी ने गुरुजनों एवं विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा के सम्मान और नई पीढ़ी में भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।

मनीष पॉल ने खोले बॉलीवुड के राज

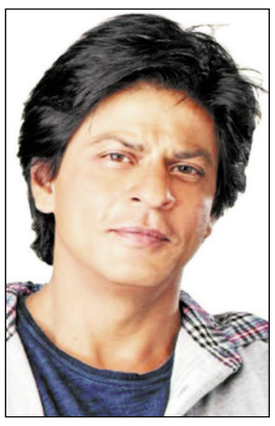


मनीष पॉल अब इंडस्ट्री का एक जाना-माना नाम हैं। उन्होंने छोटे पर्दे पर होस्टिंग कर अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद मनीष ने बॉलीवुड में हाथ अजमाया और 'मिकी वायरस' के साथ बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। अपने करियर में होस्ट और अभिनेता ने बॉलीवुड के कई दिग्गजों के साथ स्टेज शेयर किया। अब हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू दिया और शाहरुख खान, सलमान खान, करण जौहर के साथ काम करने को लेकर अपना अनुभव बताया।

मनीष ने बताया कि उन्होंने करण जौहर के साथ काम किया है, उनके साथ मजाक करते हैं, लेकिन निर्माता-निर्देशन ने कभी उनकी बातों का बुरा नहीं माना। मनीष बोले, 'करण सर मेरे साथ काम करने वाले सबसे शानदार को-होस्ट हैं। शाहरुख खान सर और सलमान सर इतने बड़े सितारे हैं, लेकिन उनमें दूसरों को सहज महसूस कराने की खासियत है। वे इतने बड़े नाम हैं कि चाहें तो इस बात को लेकर सोच सकते हैं कि कहीं मनीष उनसे ज्यादा न बोलने लगे। लेकिन वे ऐसा कभी नहीं करते।' मनीष ने आगे कहा, 'मैं करण सर का काफी मजाक उड़ाता हूं और हम साथ में खूब मस्ती करते हैं। भगवान का शुक्र है कि लोगों को भी यह पसंद आता है। करण सर ने मेरी किसी भी बात का कभी बुरा नहीं माना। मैंने उनके साथ कई बार मजाक किया है। यह मेरी खुशकिस्मती है कि मुझे पता है कि कब रुकना है। मैं अपनी हद पार नहीं करता।'

शाहरुख को लेकर बोले मनीष

मनीष पॉल ने शाहरुख खान के साथ एक इवेंट होस्ट करने का किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि



जब वह नए थे, तब शाहरुख के साथ काम करते हुए काफी घबराते थे। ऐसे में शाहरुख ने उन्हें सहज महसूस कराया। मनीष ने कहा, 'मुझे याद है कि मैंने शाहरुख खान के साथ मुंबई पुलिस के कई शो होस्ट किए थे। उस समय मैं नया था और काफी नर्वस रहता था। एक बार उन्होंने मुझे अपने वैनिटी वैन में बुलाया। जब मैं अंदर गया तो उन्होंने बहुत गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया।' मनीष के मुताबिक, फिर शाहरुख सर ने स्क्रिप्ट देखी और पाया कि सभी डायलॉग और जोक्स उनको ही दे दिए थे। मनीष के लिए कुछ नहीं था। ऐसे में किंग खान ने सवाल उठाया कि अगर सारे डायलॉग और जोक्स मुझे ही देने थे, तो फिर यह यहां खड़ा क्या कर रहा है?' मनीष के मुताबिक, शाहरुख ने आगे कहा, 'यह यहां सिर्फ खड़े रहने के लिए नहीं आया है।' इसके बाद किंग ने मनीष से कहा, 'मनीष, मेरे ऊपर भी दो-चार जोक्स करो।'

मनीष ने की सलमान की तारीफ



मनीष पॉल ने सलमान खान के होस्टिंग स्टाइल की भी तारीफ की। उन्होंने खास तौर पर पैपराजी की आलोचना करते हुए सलमान की हालिया टिप्पणी का समर्थन किया। मनीष ने कहा, 'यह बहुत शानदार था और इसकी काफी जरूरत थी। भगवान का शुक्र है कि उन्होंने ऐसा किया। मुझे लगता है कि वह अकेले ऐसे शख्स हैं, जिनकी बात लोग सुनेंगे। अब लोग उनकी बात सुन भी रहे हैं। जब भाई कुछ कहते हैं, तो फिर बात वहीं खत्म हो जाती है।'



15 साल बाद आएगा द डर्टी पिक्चर का सीक्वल



एकता कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बात करते हुए यह कन्फर्म कर दिया है कि वह 'द डर्टी पिक्चर 2' लेकर आ रही हैं। उन्होंने फिल्म से जुड़ी कई चीजें शेयर की।

साल 2011 में आई फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' को लोगों ने काफी पसंद किया था। मिलन लुथरिया के निर्देशन में बनी यह फिल्म सिल्क स्मिता की जिंदगी पर आधारित थी। इसमें विद्या बालन ने लीड रोल प्ले किया था। वहीं, उनके साथ नसीरुद्दीन शाह, इमरान हाशमी और तुषार कपूर भी नजर आए थे। अब फिल्म की निर्माता एकता कपूर ने हाल ही में इसके सीक्वल को लेकर बात की और बताया कि वह जल्द ही 'द डर्टी पिक्चर 2' लेकर आ रही हैं। साथ ही उन्होंने फिल्म की कहानी से जुड़ा भी अपडेट शेयर किया। एकता ने कहा कि वह काफी समय से फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' के सीक्वल के बारे में सोच रही थीं। अब उन्हें ऐसी कहानी मिल गई है, जिसे वह दर्शकों को सुनाना चाहती हैं। निर्माता ने यह भी बताया कि पहली फिल्म की तरह नई फिल्म भी किसी एक व्यक्ति की जिंदगी पर आधारित होगी। हालांकि, इस बार कहानी किसके इर्द-गिर्द घूमेगी, इसका खुलासा उन्होंने नहीं किया। एकता कपूर ने कहा, 'मैं एक बहुत बड़ी फिल्म बना रही हूं, जिसका नाम 'द डर्टी पिक्चर 2' है। मैं 15 साल बाद इसकी योजना बना रही हूं। इस बार मुझे लगता है कि मेरे पास एक ऐसी कहानी है, जिसे मैं बताना चाहती हूं।'

पहली फिल्म को लेकर क्या बोलीं एकता

एकता ने पहली फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा कि 'द डर्टी पिक्चर' सिल्क स्मिता की जिंदगी पर आधारित थी। यह एक ऐसी महिला की कहानी थी, जिसे अपनी यौन स्वतंत्रता को खुलकर स्वीकार करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। एकता के मुताबिक, उन्होंने सिल्क स्मिता को कभी पीड़ित के रूप में नहीं देखा, बल्कि एक ऐसी महिला के तौर पर देखा, जिसने अपनी यौन स्वतंत्रता को अपनाया और उसका जश्न मनाया। फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। बता दें कि फिल्म सिल्क स्मिता की जिंदगी से प्रेरित थी और इसमें दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में उनके संघर्ष, सफलता और निजी जिंदगी के कई पहलुओं को दिखाया गया था।

सिल्क स्मिता ने कितनी फिल्मों में किया काम

सिल्क स्मिता ने अपने करीब 18 साल के करियर में 450 से अधिक फिल्मों में काम किया था। फिर 35 साल की उम्र में सिल्क स्मिता ने अपने चेन्नई स्थित घर पर आत्महत्या कर ली थी। बता दें कि फिल्म में सिल्क स्मिता का किरदार निभाने वाली विद्या बालन को उनके शानदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था।



रकुल प्रीत ने जैकी भगनानी को बताया ताकत और सबसे बड़ी सपोर्टर



अभिनेता-निर्माता जैकी भगनानी ने अपनी पत्नी और अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए एक भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने अपने जीवन में रकुल के साथ होने के लिए आभार व्यक्त किया और उनके प्रति अपना प्यार जाहिर किया। उन्होंने लिखा, 'तुम्हें देखकर मैं अब भी मुस्कुराए बिना नहीं रह पाता कि मैं कितना भाग्यशाली हूं। मेरी ताकत, मेरी एकमात्र समर्थक और मेरे जीवन के प्यार को जन्मदिन की शुभकामनाएं। तुम्हारी गर्मजोशी, तुम्हारी असीम ऊर्जा और हमारे घर को सबसे खुशहाल जगह बनाने के लिए धन्यवाद। सपनों को पूरा करने और साथ में खूबसूरत यादें बनाने का एक और साल मुबारक हो। मैं तुमसे प्यार करता हूं।' तस्वीर में रकुल और जैकी एक-दूसरे के करीब खड़े होकर कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए पोज देते नजर आ रहे हैं। उन्होंने साथ में बिताए कुछ और खुशनुमा पलों की तस्वीरें भी साझा कीं।

दरअसल, रकुल और जैकी ने अक्टूबर 2021 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था, जिससे उनके रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया था। इस जोड़े ने सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते की घोषणा करने से पहले अपनी निजी जिंदगी को काफी हद तक गुप्त रखा था। कुछ वर्षों तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद इस जोड़े ने 21 फरवरी, 2024 को गोवा में शादी कर ली। उनकी शादी के समारोह में दोनों परिवारों की परंपराओं को ध्यान में रखते हुए रस्में निभाई गईं। इस जोड़े ने अक्टूबर 2021 में सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते को आधिकारिक बनाया और 21 फरवरी 2024 को गोवा में सिख और सिंधी दोनों परंपराओं का सम्मान करते हुए शादी की।

सलमान खान ने लॉन्च अपना नया यूट्यूब चैनल 'बीइंग द सलमान खान'

सलमान खान ने अपना नया यूट्यूब चैनल 'बीइंग द सलमान खान' लॉन्च किया है। इस चैनल के जरिए फैंस उनके सफर को दोबारा देख सकेंगे और उनके व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलुओं को जान सकेंगे। चैनल में एक्टिंग, बॉडी लैंग्वेज और सलमान के खास अंदाज पर ध्यान दिया गया है। इसमें मजेदार तरीके से दिखाया गया है कि पर्दे पर सलमान का अंदाज कैसे उनकी पहचान बना। हाल ही में सलमान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर चैनल का लिंक शेयर किया और फैंस को इसे देखने के लिए कहा। आमतौर पर सेलिब्रिटी अपने यूट्यूब चैनल पर निजी जिंदगी या फिल्मों की शूटिंग के पीछे के पल शेयर करते हैं। लेकिन सलमान का यह चैनल कुछ अलग है। इसमें स्क्रीन पर सलमान के दो रूप नजर आते हैं। एक अनुभवी एक्टिंग और पर्सनैलिटी कोच के रूप में है, जबकि दूसरा एक स्टूडेंट है, जो एक्टिंग सीख रहा है। सलमान ने 22 सितंबर को 'बीइंग द सलमान खान' चैनल लॉन्च किया था। अब तक इस पर 10 वीडियो अपलोड किए जा चुके हैं। कई वीडियो में कोच के रूप में नजर आने वाले सलमान, स्टूडेंट को बॉडी मूवमेंट, डायलॉग बोलने के तरीके और अपने खास अंदाज के बारे में सिखाते हैं। इन वीडियो के जरिए दर्शकों को सलमान की स्क्रीन पर पहचानी जाने वाली खूबियों की मजेदार झलक देखने को मिलती है। चैनल का लिंक शेयर करते हुए सलमान ने लिखा, 'शुरू से शुरू करते हैं। मेरा ऑफिशियल यूट्यूब चैनल। ए से जेड तक सब यहां मिलेगा।'

2020 में आया था ये चैनल

यह पहली बार नहीं है जब सलमान खान ने यूट्यूब पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। इससे पहले उन्होंने 2020 में 'सलमान खान फिल्म म्यूजिक' चैनल शुरू किया था। इस चैनल पर करीब 30 लाख सब्सक्राइबर्स हैं। यहां उनकी फिल्मों के गानों के साथ-साथ अलग से रिलीज किए गए म्यूजिक भी मौजूद हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान सलमान ने गायकी में भी हाथ आजमाया था। इस दौरान उन्होंने 'प्यार करोना' और 'तेरे बिना' जैसे गाने रिलीज किए थे। इससे एक्टिंग के अलावा उनके काम का एक और पहलू सामने आया। अब नए चैनल के जरिए वह अपने सफर को नए अंदाज में पेश कर रहे हैं और पर्दे पर बनी अपनी छवि के साथ भी प्रयोग कर रहे हैं।



हर कमेंट को दिल पर लेने की जरूरत नहीं

'अनुपमा' में राही का किरदार निभा रहीं टीवी एक्ट्रेस अद्रिजा रॉय ने वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे से पहले मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलकर बात की है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक शांति सबसे ज्यादा प्रभावित हो रही है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपनी भावनाओं को समझें, जरूरत पड़ने पर ब्रेक लें और अपनी मानसिक शांति को प्राथमिकता दें। आईएएनएस से बात करते हुए अद्रिजा रॉय ने कहा, ''लोग अक्सर अपनी परेशानियों को छिपाकर सबके सामने सामान्य दिखने की कोशिश करते हैं। उन्हें लगता है कि अगर उन्होंने स्वीकार कर लिया कि वह किसी मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, तो लोग उन्हें जज करेंगे या गलत समझेंगे। ऐसा सोचने के बजाय अपनी भावनाओं को स्वीकार करना चाहिए। कई बार बेहतर महसूस करने की शुरुआत यहीं से होती है।'' काम और पब्लिक लाइफ के दौरान मिलने वाले कमेंट्स पर बात करते हुए अद्रिजा ने कहा, ''हर बात को दिल पर लेना सही नहीं है। हर व्यक्ति की आपके बारे में अपनी राय हो सकती है, लेकिन खुद को आपसे बेहतर कोई नहीं जानता। मैं कोशिश करती हूं कि अपना ध्यान उन लोगों और चीजों पर रखूं, जो सच में मेरे लिए मायने रखते हैं और बाहरी लोगों की हर राय को अपनी मानसिक शांति पर हावी न होने दूं।''

उन्होंने आगे कहा, ''जब इंसान शारीरिक और मानसिक रूप से इतना थक जाए कि हर काम बोझ या जिम्मेदारी जैसा लगने लगे, तब रुककर खुद को समय देना जरूरी है। कुछ समय के लिए ब्रेक लेना आलस नहीं है। कई बार खुद को थोड़ा धीमा करना जरूरी होता है, ताकि इंसान दोबारा पूरी ताकत के साथ वापस आ सके। मेरा मानना है कि लगातार काम करते रहने को ही मजबूती समझना सही नहीं है। शरीर और दिमाग दोनों को आराम की जरूरत होती है।'' एक्ट्रेस ने कहा, ''दूसरों की उम्मीदों का बोझ इस कीमत पर मत उठाओ कि वह आपकी मानसिक शांति पर ही असर डाल दें। मैं हमेशा खुद को याद दिलाती हूं कि हर किसी को हर समय खुश रखना संभव नहीं है। मैंने धीरे-धीरे अपनी सीमाएं तय करना और जरूरत पड़ने पर 'नहीं' कहना सीखा है। शुरुआत में यह आसान नहीं था, लेकिन समय के साथ मुझे समझ आया कि अपनी शांति को बचाना स्वार्थी होना नहीं है।'' उन्होंने आगे कहा, ''जिंदगी का हर दौर गुजर जाता है। हो सकता है कि किसी परेशानी के दौरान हमारे पास सभी सवालों के जवाब तुरंत न हों, लेकिन ऐसे समय में खुद पर भरोसा रखना और खुद को समय देना जरूरी है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।